●वर्ष : 16 ●अंक : 280 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 02 फरवरी 2025

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

वक्फ संशोधन बिल को रोकेंगे नीतीश और चंद्रबाबू नायडू? महबूबा मुफ्ती ने पत्र लिख मांगी मदद

नूना न्यूज एजेंसी।

जम्मू-कश्मीर। की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती ने एनडीए गठबंधन के सहयोगियों नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू को पत्र लिखकर संसद में प्रस्तावित वक्फ संशोधन विधेयक 2024 को रोकने का आग्रह करते हुए कहा है कि यह विधेयक मुस्लिम समुदाय के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। मुफ्ती ने नायडू और कुमार को संयुक्त रूप से एक पत्र लिखकर कहा कि दोनों देश के संविधान में विश्वास करते हैं और लगातार गंगा-जमुना भाईचारे की भावना का समर्थन करते हैं। मुफ्ती ने पत्र में लिखा कि एनडीए के प्रमुख सदस्यों के रूप में आप इस मामले को प्रभावित करने और हमले को रोकने के लिए विशिष्ट रूप से तैनात हैं। मैं ईमानदारी से आपसे हस्तक्षेप करने और इस विधेयक को हमारी राष्ट्रीय एकता और सांप्रदायिक सद्भाव को नुकसान पहुंचाने से रोकने का आग्रह करता हूं। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख ने कहा कि प्रस्तावित संशोधन न केवल मुस्लिम समुदाय के हितों का खंडन करता है, बल्कि संविधान द्वारा प्रदत्त मौलिक अधिकारों पर सीधा हमला भी है।

मुफ्ती ने कहा, "यह गहरा विभाजनकारी बिल बहुसंख्यकवाद की स्पष्ट अभिव्यक्ति है जिसने 2014 से कट्टरता को बढ़ावा दिया है और मुस्लिम समुदाय को हाशिए पर धकेल दिया है।" पूर्व मुख्यमंत्री ने 'जेपीसी के प्रति विपक्ष द्वारा उठाई गई शंकाओं की घोर उपेक्षा' पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि इस असंवैधानिक और सत्तावादी बिल से सबसे अधिक प्रभावित समुदाय से परामर्श करने के किसी भी वास्तविक प्रयास के बिना परामर्श की कवायद हास्यास्पद लगती है। वक्फ के स्वामित्व वाली संपत्तियों के सुधार के रूप में तैयार किया गया, इसका असली उद्देश्य वक्फ अधिनियम की नींव को कमजोर करना है, जो धार्मिक और धर्मार्थ उद्देश्यों के लिए मुसलमानों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए समर्पित संपत्तियों की रक्षा और संरक्षण करना है।

जम्मू कश्मीर के पुंछ में पीओके निवासी को वापस भेजा गया

जम्मू कश्मीर। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के एक निवासी, जिसने हाल ही में अनजाने में घुसपैठ की थी, को शुक्रवार को जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा के पास पाकिस्तानी सेना को सौंप दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मानसिक रूप से अस्थिर 32 वर्षीय मोहम्मद यासिर फैज पीओके के तेत्रिनोट गांव का निवासी है। उसे 25 जनवरी को पुंछ के सलोत्री सीमावर्ती गांव से हिरासत में लिया गया था।

बजट 2025 को पीएम मोदी ने बताया जनता का बजट

बोले- निवेश, उपभोग और विकास को मिलेगा बढ़ावा

नूना न्यूज एजेंसी।

नई दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किए गए केंद्रीय बजट का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जमकर तारीफ की है। मोदी ने इसे देश की आकांक्षाओं का बजट बताया है। मोदी ने कहा कि आज का दिन भारत की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। ये 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं का बजट है। उन्होंने कहा कि यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करने वाला बजट है। हमने युवाओं के लिए कई सेक्टर खोले हैं। विकसित भारत के मिशन को आम नागरिक चलाने वाला है। मोदी ने कहा कि यह बजट शक्ति बढ़ाने वाला है। यह बजट बचत, निवेश, उपभोग और विकास को बढ़ाएगा। मैं जन-केंद्रित बजट लाने के लिए निर्मला सीतारमण और उनकी पूरी टीम को बधाई देता हूं। मोदी ने कहा कि आमतौर पर बजट का फोकस इस बात पर रहता है कि सरकार का खजाना कैसे भरेगा, लेकिन ये बजट उससे बिलकुल उल्टा है। ये बजट, देश के नागरिकों की जेब कैसे भरेगा, देश के नागरिकों की बचत कैसे बढ़ेगी और देश के नागरिक विकास के भागीदार कैसे बनेंगे... ये बजट इसकी एक बहुत मजबूत नींव रखता है। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुधारों के लिहाज से इस बजट में कई अहम कदम उठाए गए हैं। परमाणु ऊर्जा में निजी क्षेत्र को प्रोत्साहित करना ऐतिहासिक है। इससे देश के विकास में सिविल न्यूक्लियर एनर्जी का बड़ा योगदान सुनिश्चित होगा। मोदी ने कहा कि आज देश 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र को लेकर चल रहा है। इस बजट में इसके लिए बहुत महत्वपूर्ण और ठोस कदम उठाए गए हैं। इस बजट में एक करोड़ पांडुलिपियों के संरक्षण के लिए 'ज्ञान भारत मिशन' को शुरू किया गया है। नरेंद्र मोदी ने कहा कि बुनियादी ढांचे का दर्जा मिलने से देश में बड़े जहाजों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। इसके अतिरिक्त, यह आत्मनिर्भर पहल को गति देगा। जहाज निर्माण एक ऐसा क्षेत्र है जो रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। इसके अलावा, देश में पर्यटन विकास की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट विकास को कई गुणा बढ़ाने वाला है, निवेश, उपभोग और विकास को बढ़ावा देगा।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये किया गया: सीतारमण

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने घोषणा की कि बजट 2025-26 में वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस कटौती 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1,00,000 रुपये कर दी गई है। निर्मला सीतारमण ने यह भी कहा कि संसद में अपने बजट 2025 भाषण के दौरान वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस हेतु किराये की वार्षिक सीमा बढ़ाकर 6 लाख कर दी गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, "मैं टीडीएस कटौती की दरों और सीमा को कम करके स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) को युक्तिसंगत बनाने का प्रस्ताव करती हूं। इसके अलावा, बेहतर स्पष्टता और एकरूपता के लिए कर कटौती की सीमा राशि बढ़ाई जाएगी। वरिष्ठ नागरिकों के लिए ब्याज पर कर कटौती की सीमा को मौजूदा 50,000 रुपये से दोगुना करके 1,00,000 रुपये किया जा रहा है। वित्त मंत्री ने घोषणा की कि किराये पर टीडीएस की वार्षिक सीमा 2.40 लाख रुपये से बढ़ाकर 6 लाख रुपये की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस वृद्धि से टीडीएस के अधीन लेन-देन की संख्या कम हो जाएगी, जिससे छोटे करदाताओं को कम भुगतान प्राप्त करने में लाभ होगा। उन्होंने कहा, "इससे टीडीएस के दायरे में आने वाले लेन-देन की संख्या कम हो जाएगी, जिससे छोटे करदाताओं को लाभ होगा, जो छोटी राशि का भुगतान करते हैं। उन्होंने आगे कहा, "आरबीआई की उदारीकृत विप्रेषण योजना (एलआरएस) के तहत विप्रेषण पर स्रोत पर कर (टीसीएस) एकत्र करने की सीमा 7 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने का प्रस्ताव है। मैं शिक्षा के उद्देश्य से विप्रेषण पर टीसीएस हटाने का भी प्रस्ताव करती हूं, जहां ऐसा विप्रेषण किसी निर्दिष्ट वित्तीय संस्थान से लिए गए ऋण से होता है। माल की बिक्री से संबंधित किसी भी लेनदेन पर टीडीएस और टीसीएस दोनों लागू किए जा रहे हैं। ऐसी अनुपालन कठिनाइयों को रोकने के लिए, मैं टीसीएस को छोड़ने का प्रस्ताव करती हूं। मैं यह भी प्रस्ताव करती हूं कि उच्च टीडीएस कटौती के प्रावधान अब केवल गैर-पैन मामलों में लागू होंगे।

ज्वलंत मुद्दा सम्पादकीय

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है

दिनांक 31 जनवरी 2025 को भारत सरकार की वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारामन द्वारा लोक सभा में देश का आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 पेश किया गया। स्वतंत्र भारत का पहिला आर्थिक सर्वेक्षण वर्ष 1950-51 में बजट के साथ पेश किया गया था। 1960 के दशक में आर्थिक सर्वेक्षण को बजट से अलग कर दिया गया एवं इसे बजट के एक दिन पूर्व संसद में पेश किया जाने लगा। आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से देश की अर्थव्यवस्था की समीक्षा की जाती है एवं अर्थव्यवस्था की सम्भावनाओं को देश के सामने लाने का प्रयास किया जाता है। इसे देश के मुख्य आर्थिक सलाहकार की देखरेख में वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग के आर्थिक प्रभाग की ओर से तैयार किया जाता है। लोक सभा में पेश किए गए आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार भारत की आर्थिक स्थिति मजबूत बनी हुई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कुछ देशों में चल रही आर्थिक परेशानियों के चलते भारत के आर्थिक विकास पर भी कुछ विपरीत प्रभाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, परंतु, चूंकि भारत की आंतरिक अर्थव्यवस्था में मजबूती बनी हुई है अतः वित्तीय वर्ष 2025-26 में देश के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच में रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। हाल ही के समय में ग्रामीण इलाकों में उत्पादों की मांग में तेजी दिखाई दी है और कृषि क्षेत्र के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर बढ़ने की सम्भावना है क्योंकि देश में अच्छे मानसून के चलते रबी की फसल के बहुत अच्छे स्तर पर रहने की सम्भावना है और इससे खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर भी कम होगी, जिससे नागरिकों के हाथ में अन्य उत्पादों को खरीदने के लिए धन की उपलब्धता बढ़ेगी। आज केवल खाद्य पदार्थों की महंगाई की दर कुछ अधिक मात्रा में बनी हुई हुई है अन्यथा कोर महंगाई की दर तो पूर्व में ही नियंत्रण में आ चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के प्रथम अर्द्धवार्षिकी में समग्र महंगाई की दर भी नियंत्रण में आ जाएगी।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

अगर मैं हार गया तो आपका क्या होगा?

बीजेपी के कार्यकताओं से बोले केजरीवाल

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को एक वीडियो संदेश पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने भाजपा समर्थकों को सीधे संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भाजपा समर्थक भी आम आदमी पार्टी (आप) सरकार की योजनाओं से हर महीने 25,000 रुपये बचा रहे हैं, उनसे भी अपील है कि वे हमें वोट दें। इतना ही नहीं, केजरीवाल ने भाजपा समर्थकों से कहा कि अगर मैं हार गया तो आपका क्या होगा? तीन मिनट के वीडियो में, केजरीवाल ने एक भाजपा समर्थक के साथ बातचीत को याद किया, जिसने उनसे पूछा था, अरविंद जी, अगर आप हार गए तो आपका क्या होगा। केजरीवाल ने जवाब दिया, "मेरे बारे में बात मत करो, मुझे बताओ कि अगर मैं हार गया तो तुम्हारा क्या होगा?" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उनकी सरकार की नीतियों से दिल्ली के निवासियों को कैसे लाभ हुआ है। केजरीवाल ने चर्चा को विस्तार से बताया और भाजपा समर्थक से उनके बच्चों की शिक्षा के बारे में पूछा। समर्थक ने स्वीकार किया कि वे दिल्ली के एक सरकारी स्कूल में पढ़े हैं। इसके बाद केजरीवाल ने इसकी तुलना बीजेपी शासित राज्यों के स्कूलों की हालत से की और चेतावनी दी कि अगर वह नहीं जीते तो दिल्ली के सरकारी स्कूलों की हालत खराब हो जाएगी। केजरीवाल ने अपने प्रशासन द्वारा प्रदान किए गए लाभों को रेखांकित किया और कहा कि अगर अअढ ने सत्ता खो दी तो वे खतरे में पड़ जाएंगे। उन्होंने कहा कि मैंने उनसे दिल्ली में मिलने वाले बिजली बिल के बारे में पूछा। दिल्ली में आपको मुफ्त शिक्षा, मुफ्त बिजली और मुफ्त स्वास्थ्य उपचार मिलता है। अगर मैं नहीं जीता तो यह सब रुक जाएगा।

बजट 2025 का भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

बोले- विकसित भारत का सपना होगा साकार

नूना न्यूज एजेंसी।

दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को अपना रिकॉर्ड लगातार आठवां केंद्रीय बजट पेश किया। बजट को लेकर भाजपा नेताओं की भी प्रतिक्रिया आ रही है। भाजपा नेताओं ने बजट का स्वागत किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा पेश किया गया बजट विकसित भारत के सपने को साकार करने वाला बेहतरीन बजट है। इस बजट में समाज के सभी वर्गों का ख्याल रखा गया है। यह बजट युवाओं, गरीबों, किसानों, महिलाओं और समाज के सभी वर्गों और क्षेत्रों के विकास को बढ़ावा देने वाला है। राजनाथ ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में रक्षा मंत्रालय को 6.81 लाख करोड़ रुपये से अधिक का आवंटन किया गया है, जो पिछले वर्ष के बजट आवंटन से लगभग 9.5 प्रतिशत अधिक है और रक्षा बलों का आधुनिकीकरण हमारी सरकार की प्राथमिकता रही है। और इसके लिए भी 2025-26 में 1.80 लाख करोड़ रुपये का पूंजी आवंटन किया गया है, जिससे हमारी सेनाओं की क्षमता पहले से कहीं ज्यादा बढ़ जाएगी। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि निर्मला सीतारमण ने मध्यम वर्ग को बहुत जरूरी बड़ी राहत दी है। हर कोई जिसकी आय 12 लाख रुपये तक है या जिसका वेतन 12 लाख 75 हजार रुपये तक है, उसे अब सभी करों से छूट दी गई है। 25 लाख तक तो इनकम टैक्स में लगातार कटौती होती रहती है और फिर उससे आगे भी हर कोई एक लाख रुपये बचाता है। गोयल ने कहा कि एक तरह से, वित्त मंत्री ने मध्यम वर्ग के एक बड़े वर्ग की मांग को पूरा किया है, खासकर जब बढ़ती आय के साथ अधिक से अधिक गरीब मध्यम वर्ग में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आखिरी रिपोर्ट यह थी कि 25 करोड़ गरीब अब मध्यम वर्ग में आ गये हैं और उन्हें बहुआयामी गरीबी से मुक्ति मिल गयी है। मुझे लगता है कि यह उन सभी लोगों के लिए एक बड़ी राहत है। दिल्ली में सरकारी कर्मचारियों, वेतनभोगियों, व्यापारियों, छोटे एमएसएमई उद्योग के साथ मध्यम वर्ग के लोगों की संख्या सबसे अधिक है और इस बजट से इन सभी को बड़ी राहत मिलेगी। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का ऐतिहासिक बजट पेश किया है। इस बजट की खासियत हमारे बजट को गति देना है। हमेशा की तरह इस बार भी उन्होंने इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर को प्राथमिकता दी है, सेक्टर के लिए बजट बढ़ाया गया है और इससे इंफ्रा और सड़कों को मदद मिलेगी।

हरियाणा: कुरुक्षेत्र में मोबाइल गेम खेलने से रोकने पर नाबालिग ने आत्महत्या की

नूना न्यूज एजेंसी।

हरियाणा। के कुरुक्षेत्र जिले में 15 वर्षीय एक लड़के ने परिवार के सदस्यों द्वारा मोबाइल फोन पर गेम खेलने से रोके जाने पर कथित रूप से आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के उपनिरीक्षक कमल राणा ने बताया कि शादीपुर शहीदान गांव में रहने वाला नौवीं कक्षा का छात्र कथित तौर पर गेम का आदी था, जिससे उसकी पढ़ाई प्रभावित हो रही थी। राणा ने बताया, जब परिवार के सदस्यों ने उसे गेम खेलने से रोका, तो वह बृहस्पतिवार को घर छोड़कर अपने गांव के पास दिल्ली-अमृतसर रेल पटरी पर चला गया, जहां उसने आत्महत्या कर ली। अधिकारी ने बताया कि छात्र का शव कुरुक्षेत्र से करीब 15 किलोमीटर दूर धीरपुर रेलवे स्टेशन के पास बरामद किया गया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया और फिर परिवार को सौंप दिया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की जांच जारी है।

पश्चिम बंगाल के नैहाटी में 40 वर्षीय टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

पार्टी ने बीजेपी पर लगाया आरोप

नूना न्यूज एजेंसी।

पश्चिम बंगाल। के उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी में शुक्रवार को 40 वर्षीय तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकर्ता की हत्या कर दी गई। संतोष यादव को ऑटो-रिक्शा से खींचकर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने हमला कर दिया। पहले उसके सिर पर ईंटों से वार किया गया। उसके गिरने के बाद गुंडों ने उसे गोली मार दी। यादव को नैहाटी राज्य सामान्य अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमने मामला दर्ज कर लिया है। जांच चल रही है। नैहाटी पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने कहा कि अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि यादव, एक स्थानीय व्यवसायी, इलाके में टीएमसी पार्टी कार्यकर्ता के रूप में जाना जाता था। एक स्थानीय निवासी ने मीडियाकर्मियों को बताया कि यादव काम से ऑटो-रिक्शा में घर लौट रहे थे, तभी बाइक सवार हमलावरों ने उन्हें गोली मारने की कोशिश की, लेकिन गोली नहीं चली। इसके बाद गुंडों ने ऑटो को रोका और उसे बाहर खींच लिया। उस पर ईंटों से हमला किया गया. बाद में उन्होंने करीब से तीन और राउंड गोलियां चलाईं

और भाग गए। बैरकपुर से टीएमसी सांसद पार्थ भौमिक ने आरोप लगाया कि इस गोलीबारी के पीछे बीजेपी का हाथ है। बीजेपी नेता अर्जुन सिंह ने टीएमसी के दावों को खारिज करते हुए कहा कि ये हत्या टीएमसी की अंदरूनी कलह का नतीजा है और भाजपा का इससे कोई लेना-देना नहीं है। अर्जुन सिंह ने कहा कि टीएमसी नेताओं के बीच अंदरूनी कलह कोई नई बात नहीं है, हत्या निश्चित रूप से इसी वजह से हुई है।

कोलकाता लॉ कॉलेज में सरस्वती पूजा पुलिस सिक्योरिटी के बीच होगी

हाई कोर्ट ने दिया आदेश

नूना न्यूज एजेंसी।

कोलकाता। जोगेश चंद्र लॉ कॉलेज में शांतिपूर्ण छात्र-नेतृत्व समारोह सुनिश्चित करने के लिए, कलकत्ता हाई कोर्ट ने कोलकाता में कॉलेज में सरस्वती पूजा समारोह के लिए पुलिस सुरक्षा का आदेश दिया। न्यायमूर्ति जॉय सेनगुप्ता ने संयुक्त आयुक्त स्तर के एक अधिकारी को आयोजन के दौरान व्यवस्थाओं की निगरानी करने और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। अदालत ने फैसला सुनाया कि डे कॉलेज और लॉ कॉलेज विभागों के लिए अलग-अलग पूजा

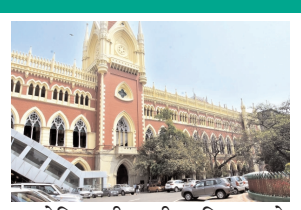

आयोजित की जानी चाहिए। इसने कॉलेज अधिकारियों को पूरे कार्यक्रम को वीडियो पर रिकॉर्ड करने का भी निर्देश दिया। पुलिस को लंबित शिकायतों वाले लोगों को परिसर में प्रवेश करने से रोकने का निर्देश दिया गया, केवल दो विभागों के छात्रों को भाग लेने की अनुमति दी गई। इस बीच, अदालत ने चारु मार्केट पुलिस स्टेशन को दोपहर 12 बजे तक डे कॉलेज परिसर के अंदर एक अवैध पूजा पंडाल को ध्वस्त करने और प्रक्रिया को रिकॉर्ड करने का भी आदेश दिया है। कोलकाता पुलिस का एक संयुक्त आयुक्त-रैंक अधिकारी सुरक्षा उपायों की निगरानी करेगा। यह फैसला तब आया जब लॉ कॉलेज के छात्रों के एक समूह ने अदालत का दरवाजा खटखटाया, जिसमें आरोप लगाया गया कि बाहरी लोगों ने उनकी सरस्वती पूजा की तैयारियों पर कब्जा कर लिया है और उन्हें कार्यक्रम आयोजित करने से रोका है। मामले में अगली सुनवाई 5 फरवरी को दोपहर 2 बजे होनी है।

राहुल बोले - मोदी ने देश का पूरा धन 20-25 अरबपतियों को पकड़ा दिया, बजट का लक्ष्य उन्हें ही लाभ पहुंचाना

नई दिल्ली। 01 फरवरी कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ने देश का पूरा धन 20-25 अरबपतियों को पकड़ा दिया है और उनकी सरकार में जो बजट पेश होता है, उसका लक्ष्य उन अरबपतियों को ही लाभ पहुंचाना होता है। दिल्ली विधानसभा में चुनाव प्रचार के दौरान नई दिल्ली के सदर बाजार में जनता के विशाल हुजूम को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा-आरएसएस का लक्ष्य जनता का पैसा छीनकर हिंदुस्तान के अरबपतियों को देना है। नरेंद्र मोदी ने नोटबंदी और जीएसटी लागू कर रोजगार देने वाले छोटे व मध्यम व्यवसायों को खत्म कर दिया। जीएसटी से अडानी-अंबानी को नुकसान नहीं हुआ, बल्कि छोटे व मध्यम व्यवसाय खत्म हो गए। यही कारण है कि देश में युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा है। आज देश में 50 साल में सबसे अधिक बेरोजगारी है। राहुल गांधी ने आगे कहा कि आम जनता को बैंक ऋण नहीं मिलता, जबकि अडानी-अंबानी को तुरंत लाखों करोड़ का ऋण मिल जाता है। वे बैंक ऋण नहीं लौटाते तो सरकार उनका ऋण माफ कर देती है। उन्होंने बताया कि नरेंद्र मोदी ने हिंदुस्तान के चंद सबसे अमीर लोगों का 16 लाख करोड़ रुपये का कर्ज माफ किया है। राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा-आरएसएस के लोग संविधान को खत्म करना चाहते हैं और कांग्रेस पार्टी संविधान को बचाने की लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के आजादी वाले बयान की आलोचना की। उन्होंने कहा कि मोहन भागवत कहते हैं कि हिंदुस्तान को आजादी 15 अगस्त 1947 को नहीं मिली, बल्कि नरेंद्र मोदी के आने के बाद मिली है। भागवत का यह बयान संविधान पर सीधा हमला है। उन्होंने यह भी कहा कि कुंभ में भगदड़ हुई, लोगों की मौत हुई। आज तक देश को नहीं बताया जा रहा कि कितने लोगों की मौत हुई।

भारत के लिए विश्व का नेतृत्व करने का समय आ गया है: डॉ. इंद्रेश कुमार

नई दिल्ली, 1 फरवरी । हिमालय हिंद महासागर राष्ट्र समूह, राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच, हंसराज कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय), हिमालयन स्टडीज, और नेल्सन मंडेला सेंटर फॉर पीस एंड कॉन्फ्लिक्ट रिजॉल्यूशन (जामिया मिल्लिया इस्लामिया) के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 5वें अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक समापन हो गया। समापन सत्र में मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य और राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मुख्य संरक्षक डॉ. इंद्रेश कुमार, मुख्य अतिथि केन्द्र सरकार के पूर्व राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह, कालोन ग्यारी दोल्मा (सुरक्षा विभाग, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन), एर्नी वाहुनी (द्वितीय सचिव, सामाजिक और सांस्कृतिक मामले, इंडोनेशिया गणराज्य) और विशिष्ट अतिथि के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार पद्म भूषण राम बहादुर राय शामिल हुए। समापन सत्र की अध्यक्षता डॉ. शाहिद अख्तर, सदस्य, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान आयोग, भारत सरकार ने की। डीयू के डीन ऑफ वर्क्स प्रो बीडब्ल्यू पांडे ने स्वागत भाषण दिए। जबकि समापन टिप्पणी का दायित्व सरदार जसबीर सिंह ने निभाया। समापन सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा जागरण मंच के मुख्य संरक्षक और आरएसएस के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य डॉ. इंद्रेश कुमार ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारत दुनिया का नेतृत्व करे। महत्वपूर्ण बात यह है कि सभी जाति, धर्म और समुदाय के लोग मानते हैं कि विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता भारत में है। हिंदुस्तान कभी किसी की सलाह से नहीं चला, बल्कि हमारे बुजुर्गों ने पहले से ही हमें सभी प्रकार से ज्ञानवर्धक बनाया है। एक समय ऐसा आएगा जब परिवर्तन स्पष्ट दिखने लगेगा। डॉ इन्द्रेश कुमार ने कहा कि अविश्वास किसी भी राष्ट्र के जीवन का अपराध है और विश्वास के माध्यम से ही राष्ट्र को जोड़ा जा सकता है। भारत संहार में नहीं, बल्कि उद्धार (कल्याण) में विश्वास करने वाला राष्ट्र है। 2047 का भारत विकसित भारत के रूप में उभरेगा। पूर्व केन्द्रीय राज्य मंत्री डॉ. राजकुमार रंजन सिंह ने कहा कि भारत अपने एशियाई देशों के साथ मिलकर आतंकवाद को समाप्त करने का कार्य कर रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूती से फल-फूल रही है और भारत सभी को साथ लेकर चलने वाला देश है।

दिल्ली के विकास के लिए भाजपा की सरकार बनाएं: मुर्मू

नवेश कुमार/वरिष्ठ पत्रकार

नयी दिल्ली। 1 फरवरी 2025 (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मालदा उत्तरी से भाजपा के सांसद खगेन मुर्मू ने आज आह्वान किया कि दिल्ली के बहुमुखी विकास के लिए भाजपा को वोट दें। श्री मुर्मू ने शाम चुनावी सभाओं एवं डोर टू डोर जनसंपर्क अभियान के दौरान लोगों से यह अपील की।इस मौके पर उत्तरप्रदेश खलीलाबाद संत कबीर नगर से भाजपा विधायक अंकुर राज तिवारी मौजूद थे। सांसद ने कहा कि आप सभी को ज्ञात होगा कि आगामी 5 फरवरी को दिल्ली विधानसभा का चुनाव होना है और आपके विधानसभा क्षेत्र तुगलकाबाद से भाजपा के श्री रोहतास विधूड़ी जी प्रत्याशी है। सांसद मुर्मू ने कहा कि आपलोगों ने देखा है,कि दिल्ली की सत्ता पर पिछले 12 सालों से आप काबिज है लेकिन यहां विकास कार्य कुछ भी नहीं हो पाया है। यहां की सड़के टूटी हुयी है। जगह-जगह कूड़े का ढेर लगा हुआ है। सबसे खराब हालत पेयजल का है। लोगों को शुद्ध पेयजल नहीं मिल रहा है। इलाके में पढ़ाई के लिए स्कूल कालेज नहीं है। नजदीक में कोई बेहतर अस्पताल नहीं होने से लोगो को दूर जाना पड़ता है,जबकि तुगलकाबाद कभी राजधानी हुआ करता था। केंद्र सरकार के बजट की सराहना करते हुए श्री मुर्मू ने कहा कि आपको यह जानकर खुशी होगी कि आज जो बजट आया है, उसमें हमारी सरकार ने आम लोगों के लिए कई कल्याणकारी घोषणाए की है। 12 लाख से कम सालाना आमदनी वाले लोगों को अब कोई टेक्स नहीं लगेगा। इसके साथ ही केंसर की 36 तरह की दबाये सस्ती कर दी गई है। कई जरूरी समान सस्ते किए गए है। दिल्ली के विकास पर फोकस किया गया है। श्री मुर्मू ने दिल्ली एवं तुगलकाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र भाई मोदी एवं भाजपा के प्रत्याशी को अपना बोट देकर दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने की अपील की। एल.एस.

बजट पर बोले खरगे- मोदी सरकार द्वारा लोगों की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास

नई दिल्ली। 01 फरवरी कांग्रेस ने आम बजट को दिशाहीन करार दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट मोदी सरकार द्वारा लोगों की आंखों में धूल झोंकने का प्रयास है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि बजट पर 'नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली हज को चली' मुहावरा बिलकुल सटीक बैठता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में मोदी सरकार ने मध्यम वर्ग से 54.18 लाख करोड़ रुपये का आयकर वसूला है और अब वह 12 लाख तक की जो छूट दे रही है, उसके हिसाब से वित्त मंत्री खुद कह रहीं हैं कि साल में 80,000 रुपये की बचत होगी। यानी हर महीने मात्र 6,666 रुपये की। उन्होंने कहा कि पूरा देश महंगाई और बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहा है, पर मोदी सरकार झूठी तारीफ बटोरने पर उतारू है। खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि इस घोषणावीर बजट में सरकार ने अपनी खामियां छिपाने के लिए ह्यमेक इन इंडियाह्ल को राष्ट्रीय विनिर्माण मिशन बना दिया है। बाकी सारी घोषणाएं लगभग ऐसी हैं। बजट में युवाओं और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कुछ नहीं है। किसानों की आय दोगुना करने के लिए कोई रणनीतिक योजना नहीं है। दलित, आदिवासी, पिछड़े वर्ग, गरीब और अल्पसंख्यक बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, स्कॉलरशिप की कोई योजना नहीं है। निजी निवेश बढ़ाने और गरीबों की आय को बढ़ाने के लिए कुछ नहीं है। लगातार गिरते उपभोग पर एक भी कदम नहीं उठाया गया है। आसमान छूती महंगाई के बावजूद मनरेगा का बजट वही का वही है। श्रमिकों की आय बढ़ाने के लिए कुछ नहीं किया गया। जीएसटी की विभिन्न दरों में कोई सुधार की बात नहीं की गई है। बेरोजगारी को कम करने और नौकरियां बढ़ाने की कोई बात नहीं की गई। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर कहा कि बजट गोली के घाव के लिए बैंडेज जैसा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक अनिश्चितता के बीच देश के आर्थिक संकट को हल करने के लिए आमूलचूल बदलाव की आवश्यकता थी, लेकिन यह सरकार विचारों के मामले में दिवालिया हो चुकी है। वहीं नई दिल्ली स्थित कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पूर्व केंद्रीय गृह एवं वित्त मंत्री पी चिदंबरम और लोकसभा में कांग्रेस के उपनेता गौरव गोगोई ने कहा कि बजट से स्पष्ट है कि भाजपा सरकार करदाता मध्य वर्ग और बिहार के मतदाताओं को रिझाने की कोशिश कर रही है। लेकिन इस कोशिश में वह पिछले वर्षों की विफलताओं को नहीं छुपा सकती। 2024-25 के वित्तीय प्रदर्शन की तस्वीर सामने रखते हुए कांग्रेस नेताओं ने कहा कि संशोधित राजस्व प्राप्तियां 41,240 करोड़ रुपये कम हो गई हैं। संशोधित शुद्ध कर प्राप्तियां 26,439 करोड़ रुपये कम हुई हैं। व्यय के मामले में, कुल खर्च में 1,04,025 करोड़ रुपये की कटौती की गई है, जबकि पूंजीगत व्यय में 92,682 करोड़ रुपये की कमी आई है। मौजूदा वित्त वर्ष में स्वास्थ्य, शिक्षा, सामाजिक कल्याण, कृषि, ग्रामीण विकास, शहरी विकास, पूर्वोत्तर विकास के लिए जितने बजट का आवंटन किया गया था, उसे सरकार खर्च नहीं कर पाई।

रेड चीफ के नाम से बेच रहे थे नकली जूते

नई दिल्ली, जनवरी : पिछले कई महीने से सूचना प्राप्त हो रही थी कि महेंद्रगढ़ (नारनौल) हरियाणा स्थित एस आर इंटरप्राइजेज के द्वारा नकली रेड चीफ नाम के जूते बेच रहे हैं, जिस पर कम्पनी ने दिल्ली के साकेत कोर्ट की माननीय जिला जज सविता राव के कोर्ट में सिविल वाद दायर किया था, जिस पर आदेश 27/01/2025 के द्वारा नियुक्त लोकल कमिश्नर शिखर कुंडू व कंपनी के अधिकारी व अधिवक्ता के द्वारा दिनांक 31/01/2025 को थाना महेंद्रगढ़ पुलिस के सहयोग से की गई कार्यवाही जिसमें भारी मात्रा में रेड चीफ के नकली जूते, गत्ते व अन्य समान जप्त किया गया। कंपनी के अधिकारी मनोज सिंह ने बताया काफी दिनों से कंपनी के लोग एस.आर. इंटरप्राइजेज पर नजर बनाए हुए थे सही सूचना प्राप्त होने पर कार्यवाही की गई बरामद माल की कीमत कई लाख रुपए है।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने पार्टी नेताओं के साथ दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में एक प्रेस वार्ता का आयोजन कर वायु, जल और भूमि प्रदूषण से मुक्ति समेत पूर्व सैनिकों के नामांकन विस्तार पर चर्चा की। (सईद अहमद)

देवेंद्र यादव ने अपने चुनाव क्षेत्र बादली में कई सार्वजनिक बैठकें की और पदयात्राएं निकाली

नई दिल्ली, जनवरी : दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा कि वह दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि पिछले 10 वर्षों में अमानवीय परिस्थितियों में बादली विधानसभा के लोग रहने को मजबूर है जिन्होंने केजरीवाल सरकार द्वारा किया कोई विकास क्षेत्र में नहीं देखा है। बादली विधानसभा के कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र यादव ने कहा कि विधायक रहते हुए उन्होंने बादली में बहुत सारे विकास कार्य किए थे और जब वे विधायक नहीं है तब भी निर्वाचन क्षेत्र की निगरानी और लोगों के लिए लड़ रहा हूँ। उन्होंने कहा कि केजरीवाल सरकार ने पिछले 10 वर्षों में बादली क्षेत्र की पूरी तरह से अनदेखी की और केजरीवाल की विफलता ने भलस्वा में लैंडफिल और बड़ा पर्वत बन रहा है। देवेन्द्र यादव का आज शुक्रवार को बादली में चुनाव अभियान अति व्यस्त रहा। उन्होंने दोपहर 12 बजे मेसरवाली कॉलोनी में जनसभा को सम्बोधित किया, 1 बजे मस्जिद के पास बादली में, 2 बजे बाल्मीकि मौहल्ला बादली में और 2.30 बजे भलस्वा की हरिजन कॉलोनी में जनसभा को संबोधित किया। 3-5 बजे तक आईटीआई, के-2 ब्लॉक जहांगीर पुरी में पदयात्रा निकाली, 5.30 बजे ई ब्लॉक यादव नगर में, सायं 6 बजे ई ब्लाक लांडी वाली गली और 6.30 बजे शिवपुरी टीचर कॉलोनी में भारी संख्या में क्षेत्रीय लोग और कांग्रेस कार्यकताओं के साथ पदयात्रा निकाली।

सरकारी कर्मचारी महिला साईबर ठगों के झांसे में आई, 9 .56 लाख हुए गोल

जगाधरी : यमुनानगर साइबर ठगों ने वर्क फ्रॉम होम के नाम पर मॉडल टाउन निवासी नीतू कपूर से नौ ला ा 56 हजार रुपये ठग लिए। आरोपी ठगों ने उसे टेलीग्राम पर लिंक भेजकर पैसे इंवेस्टमेंट कर अधिक लाभ कमाने का लालच देकर झांसे में लिया। पुलिस ने मामले की जांच के बाद अज्ञात ठगों के खिलाफ धोखाधड़ी के आरोप में केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी। जानकारी के अनुसार मॉडल टाउन निवासी नीतू कपूर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह महिला एंव बाल विकास विभाग में नौकरी करती है। नौ जनवरी को उसके टेलीग्राम पर वर्षा सिंह नाम की महिला ने वर्क फ्रॉम होम डेली पे रोल जॉब के लिए मैसेज किया। उसने मैसेज देखने के बाद महिला को जॉब के लिए हां कर दी। इसके बाद वर्षा सिंह ने उसे उनकी एजेंट लक्ष्मी प्रिया से बात करने को कहा। 10 जनवरी को उसकी टैलीग्राम पर लक्ष्मी प्रिया से बात होने लगी। आरोपी लक्ष्मी प्रिया ने उसे टाटा प्रोजेक्ट कंपनी की साइट के ऊपर रिव्यू देने को कहा। इसके बाद लक्ष्मी प्रिया ने टेलीग्राम पर उसकी आईडी बनाई। आरोपी ने उसे 10 हजार रुपए इंवेस्टमैंट करने को कहा। उसने अपने अकाऊंट से आरोपियों द्वारा बताए गए अकाउंट में 10 हजार रुपये ोज दिए। जिसके बाद उसके अकाउंट में 14 हजार रुपये मुनाफे के रूप में वापस आए। इसके बाद आरोपियों ने उसे अलग-अलग करके नौ ला ा 56 हजार रुपए जमा करवा लिए।

पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस यमुनानगर में जनता दरबार लगाकर कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा ने सुनी समस्याएं

जनता दरबार में लोगों की समस्याएं सुनते कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा

यमुनानगर : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस यमुनानगर में जनता दरबार लगाकर लोगों की समस्याएं एवं शिकायतें सुनकर उनका शीघ्र समाधान करने के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि जनता की समस्याओं को सुनकर उनका जल्द समाधान करना ही उनकी सबसे पहली प्राथमिकता है। प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करवाया जाएगा ताकि जनता उसका लाभ उठा सकें। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा, हम पूरी निष्ठा के साथ आपकी सेवा करना चाहते हैं। हम सभी मिलकर कार्य करेंगे और रादौर तथा ऊँचा चांदना में भी इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करते रहेंगे। हमारी प्राथमिकता लोगों को सुविधाएं प्रदान करना है, ताकि उनकी समस्याओं का मौके पर ही समाधान हो। मंत्री ने कहा कि सरकार जनसेवा के लिए पूरी तरह तैयार है, लेकिन इसके लिए समन्वय की आवश्यकता है, जिससे सभी लोग मिलकर जनकल्याण के लिए कार्य कर सकें। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, पूर्व विधायक ईश्वर सिंह पलाका, समाज कल्याण बोर्ड की पूर्व चेयरपर्सन रोजी मलिक आनन्द, भाजपा जिला उपाध्यक्ष कृष्ण सिंगला, अतिरिक्त उपायुक्त आयुष सिन्हा, एसडीएम जगाधरी सोनू राम, डीडीपीओ नरेन्द्र सिंह, अतिरिक्त आयुक्त नगर निगम डॉ. विजय पाल यादव, जगदीश बब्बर उपस्थित थे।

साइबर सुरक्षा मजबूत करने के लिए त्वरित कदम उठाए

नई दिल्ली, जनवरी : आरएम ग्रुप ऑफ एजुकेशन ने अपनी वैबसाइट पर संभावित डेटा उल्लंघन की रिपोर्टों की पुष्टि करते हुए कहा कि वह मामले की सक्रिय जांच कर रहा है और हितधारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कदम उठा रहा है। संगठन ने आंतरिक व बाहरी साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की टीम बनाई है। आईटी डायरैक्टर रविराज भारती ने पारदर्शिता बनाए रखने और साइबर सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। वैबसाइट के प्रभावित हिस्सों को अस्थायी रूप से डिसेबल कर दिया गया है, और उन्नत सुरक्षा उपायों को लागू किया जा रहा है।

बालकुंज में बच्चों को किए गए गर्म वस्त्र वितरण

यमुनानगर, जनवरी : महिला एवं बाल विकास की ओर से बाल देख-रेख संस्थान में आश्रित बच्चों के लिए गर्म वस्त्रों का वितरण किया गया, जिसमे बच्चों को ट्रैक सूट, जुराबे व टोपियां दी गई। जिला कार्यक्रम अधिकारी तरविंदर कौर ने बताया कि बाल देख-रेख संस्थान में आश्रित बच्चों के लिए समय अनुसार वस्त्र उपलब्ध किये जाते हैं। बाल कल्याण समिति सदस्यों ने बच्चों से सर्दियों के मौसम में स्वस्थ रहने के लिये योग करने और गर्म कपड़ों का प्रयोग करने के लिए कहा। संस्थान के प्रबंधन को मौसम अनुसार बच्चों को आहार देने के लिए कहा गया। उन्होंने बताया कि सूर्य की ऊष्मा से विटामिन डी की पूर्ति होती है।

जिले में चाइना डोर के स्टोरेज, बिक्री, खरीद व इस्तेमाल पूरी तरह प्रतिबंधित

यमुनानगर, जनवरी : चाइनीज मांझा (डोर) के इस्तेमाल से होने वाले खतरों को मद्देनजर रखते हुए जिलाधीश कैप्टन मनोज कुमार ने जिले में चाइना डोर को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया है। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिलाधीश ने यह आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार जिले में चाइनीज मांझा (डोर) के भंडारण, बिक्री, खरीद और इस्तेमाल पर सख्त पाबंदी रहेगी। जिलाधीश कैप्टन मनोज कुमार के आदेशों के अनुसार किसी अवसर पर चाइना डोर से पतंग उड़ाने व चाइनीज मांझा (डोर) से अन्य गतिविधियों से मानव जीवन को होने वाले खतरे को ध्यान में रखते हुए यह आदेश जारी किए किए गए हैं।

शिक्षा व्यवस्था पर विशेषज्ञों ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, जनवरी : इंडिया हैबिटेट सैंटर में आयोजित पत्रकार वार्ता में शिक्षाविदों ने दिल्ली सरकार की शिक्षा नीतियों और जमीनी हकीकत के बीच गंभीर असमानताएं उजागर कीं। जेएनयू के प्रो. शुभ गुप्ता ने बताया कि बजट वितरण असमान है, जिससे पिछड़े जिलों में अवसंरचना ठप पड़ी है। राजकीय प्रतिभा विकास विद्यालयों को स्कूल ऑफ स्पैशलाइज्ड एक्सिलैंस में बदलने से सरकारी स्कूलों की तुलना में निजी स्कूलों को अधिक लाभ मिला, जिससे शिक्षा से कमजोर छात्रों के व्यवस्थित बहिष्करण की संभावना जताई गई।

दिल्ली में रोहिंग्याओं के बसने के स्थान बताए एनजीओ : उच्चतम न्यायालय

दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को एक गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) से पूछा कि वह दिल्ली में रोहिंग्याओं के बसने के स्थान और उनके लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में बताए। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने एनजीओ रोहिंग्या ह्यूमन राइट्स इनिशिएटिव की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कॉलिन गोंजाल्विस से दिल्ली में रोहिंग्याओं के बसने के स्थानों का जिक्र करते हुए हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। गोंजाल्विस ने कहा कि एनजीओ ने रोहिंग्या शरणार्थियों को स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंच उपलब्ध कराने की मांग की है, क्योंकि आधार कार्ड न होने के कारण उन्हें प्रवेश नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, वे शरणार्थी हैं, जिनके पास यूएनएचसीआर (शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र उच्चायुक्त) कार्ड हैं और इसलिए उनके पास आधार कार्ड नहीं हो सकते। लेकिन, आधार कार्ड न होने के कारण उन्हें स्कूलों और अस्पतालों तक पहुंच नहीं दी जा रही है। पीठ ने कहा कि चूंकि अदालत के समक्ष कोई पीड़ित पक्ष नहीं बल्कि एक संस्था है, इसलिए एनजीओ को हलफनामा दाखिल कर रोहिंग्याओं के बसने के स्थानों के बारे में बताना चाहिए, जिसमें यह भी स्पष्ट किया जाना चाहिए कि वे शिविरों में रहते हैं या आवासीय कॉलोनियों में। गोंजाल्विस ने कहा कि रोहिंग्या शरणार्थी दिल्ली के शाहीन बाग, कालिंदी कुंज और खजूरी खास इलाकों में रहते हैं। उन्होंने कहा, शाहीन बाग और कालिंदी कुंज में वे झुग्गी-झोपड़ियों में रह रहे हैं और खजूरी खास में वे किराए के मकानों में रह रहे हैं।

मांगों को लेकर विधायकों को ज्ञापन व सीएम कैम्प कार्यालय पर धरना : सर्व कर्मचारी संघ

बैठक में भाग लेते कर्मचारी।

यमुनानगर, जनवरी : सभी तरह के नियमित व अनियमित कर्मचारियों को नियमित करने, पुरानी पैंशन बहाल करने, 50, 55 की उम्र व 25 साल की सेवा उपरांत सेवानिवृत्त का पत्र वापसी लेने, हरियाणा का अलग से वेतन आयोग बनाने, पिछले वेतन आयोग में रह गई विसंगतियों को ठीक करने,सभी कर्मचारियों को 5000 रुपए प्रतिमाह अन्तरिम राहत देने, कच्चे कर्मचारियों का पिछले 5 साल से रुके हुए वेतन में बढ़ोतरी करने सहित अन्य लंबित माँगो व 28 जनवरी की रोहतक में सर्व कर्मचारी संघ की राज्य कार्यकारिणी बैठक में लिए गए फैंसलों को अमलीजामा पहनाने के लिए संघ कार्यालय में जिला कार्यकारिणी की बैठक रखी गई, जिसकी अध्यक्षता जिला प्रधान महिपाल सौदे व संचालन जिला सचिव गुलशन भारद्वाज ने किया।

बैठक में लिए निर्णयों अनुसार गठित टीमों द्वारा सभी ब्लॉकों के सरकारी दफ्तरों में जाकर कर्मचारियों के बीच हैंडबिल वितरण करके व स्टीकर पोस्टर लगाकर जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। वहीं जिले के सभी विधायकों को ज्ञापन सौंपने की कड़ी में 1 फरवरी को सुबह 11 बजे बस स्टैंड यमुनानगर पर इक्ठा होकर बीजेपी के पार्टी कार्यालय पर पहुंचकर बीजेपी विधायक घनश्याम दास अरोड़ा को मांगो का ज्ञापन सौंपा जाएगा। उसके बाद 16 फरवरी को जिले से सैंकड़ों की संख्या में कच्चे व पक्के कर्मचारी मुख्यमंत्री के कैम्प कार्यालय पर 48 घंटे के धरने में शामिल होने के लिए कुरुक्षेत्र कूच करेंगे।

बैठक में मुख्य तौर से शामिल हुए राज्य महासचिव नरेश कुमार ने अपनी बात रखते हुए पदाधिकारियों को बताया कि कर्मचारियों से संबंधित लंबित माँग मुद्दों की और सरकार का ध्यान आकर्षित करवाने के लिए 1 से 2 फरवरी व 8 से 9 फरवरी को प्रदेश के सभी 90 विधायकों को कर्मचारियों की माँगो के ज्ञापन दिए जाएंगे। इसके अलावा 15 व 16 फरवरी को कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री के कैम्प कार्यालय पर 48 घंटे का धरना रखा जाएगा। उन्होंने बताया कर्मचारियों की मांगों का समाधान करने से सरकार को भी लाभ होगा और जनसेवाओं की उपलब्धता और गुणवत्ता की भी वृद्धि होगी।

पंजीकृत मध्यस्थों के लिए यूपीआई भुगतान तंत्र बनाने का सेबी ने प्रस्ताव रखा

दिल्ली। बाजार नियामक सेबी ने एकीकृत भुगतान मंच यूपीआई के जरिये प्रतिभूति बाजार में सुरक्षित और कुशल भुगतान सुनिश्चित करने के लिए शुक्रवार को एक नए तंत्र का प्रस्ताव रखा। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एक परामर्श पत्र में पंजीकृत बाजार मध्यस्थों के लिए एक विशिष्ट यूपीआई पता तैयार करने का सुझाव दिया है। इससे निवेशकों के लिए इसकी पुष्टि करनी आसान हो जाएगी कि वे केवल पंजीकृत संस्थाओं को ही भुगतान कर रहे हैं। पूंजी बाजार लेनदेन के लिए प्रस्तावित यूपीआई भुगतान सीमा पांच लाख रुपये प्रति दिन निर्धारित की गई है, जो मौजूदा दो लाख रुपये की सीमा से अधिक है। इसका मूल्यांकन एनपीसीआई के परामर्श से समय-समय पर किया जाएगा। सेबी ने इन प्रस्तावों पर 21 फरवरी तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं। बाजार नियामक ने 2019 से बाजार में भुगतान के एक तरीके के रूप में यूपीआई को अधिकृत किया हुआ है। हालांकि अपंजीकृत संस्थाओं द्वारा निवेशकों को गुमराह करने और धोखाधड़ी से धन एकत्र करने का मुद्दा बढ़ रहा है। इससे निपटने के लिए सेबी ने प्रत्येक पंजीकृत मध्यस्थ के लिए एक विशिष्ट यूपीआई पहचान बनाने का प्रस्ताव दिया है।

समाचार

अतिक्रमण को लेकर आर टी आई परिषद ने समाधान दिवस में सौपा ज्ञापन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के कार्यकताओं ने नगर के रहरा अड्डा तिराहे पर फल व सब्जी के ठेले तथा ई-रिक्शाओं के कारण लगने वाले जाम को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए ज्ञापन समाधान दिवस में अधिकारियों को दिया, जिसमें हवाला दिया कि ठेले व ई रिक्शाओं के कारण आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है जिससे आने जाने वाले राहगिरो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है वही महाराणा प्रताप की मूर्ति के बराबर में कूड़ा करकट डाला जा रहा है जिससे गंदगी पनप रही है तथा जल्द ही समस्या का समाधान करा कर लोगों को जाम की समस्या से छुटकारा दिलाने की मांग की गई है, ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं आरटीआई परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष दीनदयाल यादव एडवोकेट, राष्ट्रीय प्रवक्ता टेकचंद राणा,जिला अध्यक्ष अनुपम त्यागी, मोहित त्यागी, विजय पारछा, श्रीमती रजनी, सरदार हरिश्चंद्र, धनेश्वरी देवी, अरुण नागर, राजेश चौहान आदि मौजूद रहे।

संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों ने सुनी फरियादियों की फरियाद

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को सरकार की मनसा अनुसार लगाए गए संपूर्ण समाधान दिवस में 21 शिकायतें दर्ज की गई जिसमें से 2 का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया, संपूर्ण समाधान दिवस में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा एवं एसडीएम विभा श्रीवास्तव तथा पुलिस क्षेत्राधिकार दीप कुमार पंत वह तहसीलदार द्वारा फरियादियों की फरियाद सुनी गई, जिसमें राजस्व विभाग की 9 , पुलिस विभाग की 6 , पूर्ति विभाग की 1 ,चकबंदी विभाग की 1, विकास विभाग की दो शिकायत तथा 2 अन्य शिकायतें प्राप्त हुई, जिसमें से 2 का निस्तारण कर दिया गया, तथा बाकी शिकायतों के निस्तारण हेतु संबंधित हल्का लेखपाल को आदेशित किया गया इस मौके पर डो मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्रा ने कहा कि संपूर्ण समाधान दिवस में आई प्रत्येक शिकायत का गुणवत्ता पूर्वक निस्तारण करें, शासन की मनसा अनुसार कार्य करें तथा शिकायतकर्ता के संतुष्ट होने पर ही शिकायत का निस्तारण माना जाए, इस मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी व हल्का लेखपाल, पुलिसकर्मी आदि मौजूद रहे।

अधिकारियों को मुख्यमंत्री का निर्देश, बसंत पंचमी पर सुनिश्चित कराएं जीरो एरर व्यवस्था

महाकुम्भ नगर, 1 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अमृत स्नान पर्व ह्यबसंत पंचमी के अवसर पर व्यवस्थाओं को ह्याजीरो एरर रखने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को प्रयागराज में बसंत पंचमी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने निर्देश दिए कि बसंत पंचमी के अवसर पर पूज्य अखाड़ों की पारंपरिक शोभायात्रा धूमधाम से निकलेगी, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां समय से कर ली जाएं। पूज्य संतगण हों, कल्पवासी हों, देश भर से आए श्रद्धालु हों या देसी झविदेशी पर्यटक, हर एक की सुरक्षा और सुविधा सुनिश्चित होनी चाहिए। शोभायात्रा का रूट और समय हो या सामान्य स्नानार्थियों के आवागमन का मार्ग, हर बिंदु पर पुख्ता कार्ययोजना होनी चाहिए। किसी भी स्तर पर चूक की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। मेला प्राधिकरण के आईसीसीसी सभागार में आयोजित बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि पार्किंग स्पेस को बढ़ाया जाए और ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित करें कि संगम स्नान को आने वाले श्रद्धालुओं को कम से कम चलना पड़े। उन्होंने ये भी निर्देश दिया कि महत्वपूर्ण स्थलों पर एसपी लेवल के अधिकारियों को ट्रैफिक व्यवस्था की जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि देश और दुनिया महाकुम्भ की व्यवस्थाओं और इसकी भव्यता की तारीफ कर रही है। हर कोई प्रयागराज संगम आने को उत्सुक है। यह भाव सतत बना रहे, इसके लिए सभी को अपना योगदान देना होगा। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन सेक्टर्स में कतिपय समस्याएं हैं, वहां सीनियर अधिकारी स्वयं विजिट करें। टीम लीडर अच्छा होना चाहिए। विपरीत परिस्थितियों में भी चुनौतियों का सामना करने की आदत डालें। यदि आवश्यक हो तो पुलिस की काउंसिलिंग करें, लेकिन पब्लिक के साथ अच्छा व्यवहार होना चाहिए। फोर्स को लेकर उन्होंने कहा कि हमारे पास फोर्स की कोई कमी नहीं है।

सीएम योगी से मिले श्री श्री रविशंकर

मुख्यमंत्री ने श्री श्री रविशंकर को भेंट की शॉल और फलों की टोकरी

महाकुम्भनगर, 01 फरवरी : महाकुम्भ में ध्यान की गंगा बहाने आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर शनिवार को महाकुम्भनगर पहुंचे। श्री श्री अपने प्राइवेट जेट से विभिन्न देशों के 10-12 शिष्यों के साथ महाकुम्भ में आए हैं। सबसे पहले उन्होंने आईसीसीसी पहुंचकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्री श्री रविशंकर का भव्य स्वागत किया और उन्हें शॉल व फलों की टोकरी भेंट की। श्री श्री के काफिले के आगमन के समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आईसीसीसी में महत्वपूर्ण बैठक कर रहे थे।

संगम की रेत पर होगा भव्य सुदर्शन क्रिया सत्र

महाकुम्भ में श्री श्री रविशंकर के नेतृत्व में सुदर्शन क्रिया का आयोजन किया गया है। जिसमें जर्मनी, दुबई, जापान, अमेरिका सहित विभिन्न देशों के श्रद्धालु हिस्सा लेंगे। श्री श्री के शिष्य ऋषभ प्रभात के अनुसार 01 फरवरी से 5 फरवरी तक महाकुम्भनगर में ध्यान, योग और अध्यात्म की गंगा लगातार बहती रहेगी।

सुपर लक्जरी कॉटेज में मेहमानों के स्वागत की तैयारी

विदेशी मेहमानों और श्रद्धालुओं के लिए 250 सुपर लक्जरी कॉटेज तैयार किए गए हैं। इन कॉटेजों में आधुनिक सुविधाओं के साथ भारतीय संस्कृति की झलक भी देखने को मिलेगी। महाकुम्भ के इस पावन अवसर पर श्री श्री रविशंकर के आगमन ने न केवल भारतीय श्रद्धालुओं बल्कि विदेशी मेहमानों को भी आध्यात्मिक शांति का अनुभव कराने का संकल्प लिया है।

सपा द्वारा पी डी ए जन पंचायत का किया गया आयोजन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश व पूर्व कैबिनेट मंत्री व विधायक कमाल अख्तर के आदेश पर विधानसभा हसनपुर के सेक्टर (कुआँ डाली) के ग्राम ग्राम सुतारी गुर्जरों वाली में मलखान सिंह पूर्व प्रधान के आवास पर पी, डी, ए जन पंचायत का आयोजन किया गया । जिसमें जिलाध्यक्ष मस्तराम यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने जो पी, डी, ए, बनाया है पिछड़े दलित अल्पसंख्यकों की आवाज उठाने के लिए जो बीड़ा अध्यक्ष जी ने विधानसभा के हर सेक्टर में बाबा भीमराव अंबेडकर जी के द्वारा संविधान में जो अधिकार हम सबको दिए गए हैं उन सबको जागरूक करने के लिए गांव गांव जाकर समाजवादी पार्टी की नीतियां और भाजपा सरकार की विफलता के बारे में लोगों को रुबरु कराया। जिला महासचिव चन्द्र पाल सिंह ने कहा कि संविधान ने हमें वो हक दिये है। उसमें एक हक वोट का भी है। अगर कोई सरकार सही ढंग से काम नहीं कर रही तो हमें हर पांच साल में सरकार बदल सकते हैं। प्रदेश सचिव व जोन प्रभारी अकील अहमद ने कहा आज हम लोगो भाजपा हिन्दू मुसलमान के नाम पर बाटना चाहती है। इस सरकार मे भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है किसी भी विभाग में बिना रिश्वत के कोई भी काम नहीं हो रहा है अधिकारी कर्मचारी बेलगाम है सभी लोगों से अपील करता हूं आने वाले 2027 में अखिलेश यादव के हाथों को मजबूत करें और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएं। पी, डी, ए, जन पंचायत की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष कैसर परवेज चौधरी ने की। तथा संचालन मलखान सिंह प्रधान ने किया, पंचायत में जिला महासचिव चंद्रपाल सिंह, लोहिया वाहनी के जिला अध्यक्ष सलमान प्रधान, प्रदेश सचिव अकील अहमद , अरविंद कसाना, आनंद गुर्जर, सेक्टर अध्यक्ष ब्रह्मपाल नागर, जिला उपाध्यक्ष बॉबी बाकरी, वीरसिंह, चमन सिंह गुर्जर राजेंद्र सिंह गुर्जर, विवेक पटेल एडवोकेट, अरुण कुमार, रामस्वरूप जाटव, विजय वीर सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी वार्डन एवं शिक्षिका पर लगाये आरोप, ग्रामीणों ने करा प्रदर्शन

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को समाधान दिवस में ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन कर प्रार्थना पत्र सौंपा है जिसमें कस्तूरबा गांधी बालिका आवास विद्यालय की वार्डन एवं शिक्षिका पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं, शनिवार को क्षेत्र के गांव फूलपुर बिझलपुर निवासी श्री झारखंड महादेव शिव मंदिर के पुजारी सहित ग्रामीणों ने संपूर्ण समाधान दिवस में विरोध प्रदर्शन किया, ग्रामीणों का आरोप है कि विद्यालय के नजदीक मंदिर में कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की वार्डन एवं अध्यापिका द्वारा गंदगी फैलाई जाती है। और पूजा करने आने वाले श्रद्धालुओं एवं बच्चों को डराने धमकाने का कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि जब ग्रामीण इसका विरोध करते हैं तो उनको झूठे मुकदमों में फसाए जाने की धमकियां दी जाती हैं। वहीं ग्रामीणों ने वार्डन एवं शिक्षिका का स्थानांतरण कर दूसरी वार्डन तथा शिक्षिका तैनात करने की मांग की है। इस दौरान मौके पर मंदिर महाराज सेवानंद एवं सेविका गीता देवी तथा मंदिर प्रबंधन समिति अध्यक्ष, प्रीतम सिंह, हंसराज, राजपाल सिंह, जय सिंह, रामवीर, राधेश्याम, कमल सिंह, दिनेश, मूलचंद, विकास, अशोक, लाल सिंह, हेमराज सिंह, जोगेंद्र, चंद्रपाल, विजयपाल, शिवकुमार, भागवत सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद रहे।

आज टीवी उन्मूलन हेतु 100 दिवसीय सघन चिकित्सा अभियान के अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय चाट फिरोजपुर में जाकर बच्चों को टीवी जागरूकता की शपथ दिलाई गई।

संवाददाता मंजीत शर्मा
पीलीभीत। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी पीलीभीत शाखा के जिला अवैतनिक सचिव कौशलेंद्र भदौरिया ने बताया अध्यक्ष / जिला अधिकारी महोदय पीलीभीत के निर्देशन में टीबी उन्मूलन हेतु 100 दिवसीय सघन चिकित्सा अभियान के अंतर्गत कंपोजिट विद्यालय में बच्चों के मध्य टीवी जागरूकता शपथ कराई गई बच्चों को टीवी के बारे में जानकारी प्रदान करी गई बच्चों को बताया गया कि अपने आसपास अपने परिवार में जिस व्यक्ति को लगातार खांसी आ रही हो लगातार बुखार हो रहा हो और वजन निरंतर काम होता जा रहा हो ऐसे लोगों की अपने नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ले जाकर जांच करवाएं सरकार के द्वारा सभी जांच और दवाइयां बिल्कुल निशुल्क है अवैतनिक सचिव ने बताया दिनांक 5 फरवरी 2025 दिन बुधवार को विद्यालय में पीलीभीत टीवी अस्पताल के द्वारा एक टीवी उन्मूलन हेतु कैंप का भी आयोजन किया जा रहा है जिसमें निशुल्क एक्सरे एवं दवाइयां का वितरण किया जाएगा कार्यक्रम में विद्यालय की प्रधानाचार्य श्रीमती निरंजना शर्मा एवं समस्त स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

कलश यात्रा के साथ मूर्तियों को कराया गया नगर भ्रमण

लोकतंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से कलश यात्रा निकाली गई तथा मूर्तियों को नगर निर्माण कराया गया, बताते चलें कि क्षेत्र के गांव बाईखेड़ा गंगापुट रोड लाल कुआं आश्रम पर भगवान लक्ष्मी नारायण जी का भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है जिसमें रविवार को बसंत पंचमी के दिन भगवान श्री लक्ष्मी नारायण जी की विशाल मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है इसके उपलक्ष्य में यह है कलश यात्रा व मूर्तियों को नगर भ्रमण कराया गया, कलश यात्रा व मूर्तियों का जगह-जगह पुष्प बरसा कर स्वागत किया गया यात्रा नगर के झारखंड महादेव शिवाला मंदिर से प्रारंभ होकर मोहल्ला होली चौक इंदिरा चौक जनकपुरी पुरानी घास मंडी से होती हुई लाल कुआं आश्रम के लिए प्रस्थान कर गई यात्रा का शुभारंभ राजपाल सैनी ने भगवान की आरती उतार कर किया इस मौके पर मुख्य रूप से वेद प्रकाश यादव, प्रदीप अग्रवाल, पंकज भटनागर, नीरज अग्रवाल, पंडित सतवीर गिरि, महेश शर्मा, हरि ओम अग्रवाल पोरारा वाले, सौरभ अग्रवाल, सीमा यादव, कविता यादव, गीता यादव,भजन गायिका सलोनी दीदी, सौरभ मित्तल आदि सहित भारी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

घायल श्रद्धालुओं से मिले सीएम योगी, बोले- घबराना मत सब ठीक हो जाएगा

महाकुम्भ नगर, 01 फरवरी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। अपने बिजी शेड्यूल के बावजूद मुख्यमंत्री दौरे के समापन से पूर्व स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती घायलों को देखने पहुंचे। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से उनका हाल चाल लिया और इलाज के विषय में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने डॉक्टर्स से भी घायलों की विस्तृत रिपोर्ट ली और सभी को समुचित इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। घायलों से व्यक्तिगत बातचीत करते हुए सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश सरकार को सभी श्रद्धालुओं की चिंता है। उनके इलाज और अन्य व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं छोड़ी जाएगी। उन्होंने एक महिला श्रद्धालु से कहा कि घबराना मत सब ठीक हो जाएगा। मालूम हो कि मौनी अमावस्या के अमृत स्नान के दौरान संगम नोज पर घटी घटना में घायल हुए श्रद्धालुओं को एसआरएन अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री के निर्देश पर गुरुवार को चीफ सेक्रेट्री और डीजीपी ने भी अस्पताल पहुंचकर घायलों को हर संभव मदद का भरोसा दिलाया था।

घायलों का किया जा रहा समुचित इलाज

एसआरएन अस्पताल में मुख्यमंत्री ने घायलों से मुलाकात की और उनका हाल जाना। साथ ही उन्होंने डॉक्टर्स को इलाज में किसी तरह की कमी नहीं रखने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि अस्पताल में घायल तीर्थयात्रियों का समुचित इलाज किया जा रहा है और पूरा प्रशासन उनकी देखरेख में जुटा हुआ है। मुख्यमंत्री ने एक-एक बेड पर जाकर घायल श्रद्धालुओं का हाल जाना। उन्होंने एक महिला श्रद्धालु से पूछा कि उन्हें कहां कहां चोट आई है। इसके बाद परिवार के लोग उनसे मिलने आ रहे हैं या नहीं, इसके विषय में भी जाना। इसी के साथ एक अन्य महिला श्रद्धालु के पास जाकर उन्होंने हाल चाल लिया। जब महिला श्रद्धालु ने सीएम से उन्हें छुट्टी के बाद वापस घर भेजने की व्यवस्था के लिए कहा तो सीएम ने तत्काल निर्देश दिया कि छुट्टी के बाद इन्हें इनके घर तक छुड़वाने की व्यवस्था के साथ ही अन्य सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।

कोई भी मरीज गंभीर नहीं

मुख्यमंत्री को बताया गया कि स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती सभी श्रद्धालुओं को समुचित चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। अस्पताल प्रशासन पूरी तत्परता से सभी मरीजों की देखभाल कर रहा है। मरीजों के साथ आए परिजनों और श्रद्धालुओं के लिए भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। सभी मरीजों के परिवारजनों को सूचना दे दी गई है और अधिकांश परिजन अस्पताल पहुंच चुके हैं। राहत की बात यह है कि कोई भी मरीज गंभीर स्थिति में नहीं है। हालांकि, कुछ मरीजों को फ्रैक्चर जैसी चोटें आई हैं, जिनके पूर्ण रूप से स्वस्थ होने में 3 से 4 सप्ताह तक का समय लग सकता है। सरकार एवं अस्पताल प्रशासन मरीजों की देखभाल के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और हरसंभव चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा रही है।

उत्तर प्रदेश में स्पिरिचुअल टूरिज्म की असीम संभावनाएं : योगी आदित्यनाथ

महाकुम्भ नगर, 1 फरवरी । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व के 73 देशों के सौ से अधिक राजनयिकों संग शनिवार शाम संवाद किया। महाकुम्भ नगर स्थित पुलिस लाइन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने विदेशी राजनयिकों को महाकुम्भ और प्रयागराज के महात्म्य से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि भारत के अधिकांश तीर्थ गंगा तट पर ही स्थित है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्पिरिचुअल टूरिज्म में असीम संभावनाएं हैं। उन्होंने राजनायिकों का प्रयागराज में स्वागत करते हुए कहा कि उन सभी की ये यात्रा निश्चित रूप से स्मरणीय साबित होगी। जब वो यहां से लौटेंगे तो स्वयं के साथ यादगार अनुभव लेकर जाएंगे।

अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया महाकुम्भ को कौतूहल की दृष्टि से देख रही है। आप सभी का यहां आना हमे प्रफुल्लित करता है। महाकुम्भ का ये पर्व हम सभी को आनंदित करता है। मां गंगा, यमुना और सरस्वती के पावन संगमस्थली पर बसा प्रयागराज दुनिया की प्राचीन नगरी है। उन्होंने कहा कि महाकुम्भ भारत की सांस्कृतिक विरासत का प्रतिबिंब है। अबतक देश और-दुनिया से करीब 35 करोड़ लोग यहां आकर संगम स्नान कर चुके हैं। 26 फरवरी तक 45 करोड़ लोगों के आने की संभावना है। इस अवसर पर विदेशी राजनयिकों ने भी अपने अनुभवों को सीएम योगी के सामने साझा किया।

त्रिवेणी संकुल में हुआ विदेशी मेहमानों का स्वागत

भारत की प्राचीन परंपरा और संस्कृति का साक्षात्कार करने 73 देशों राजनयिक प्रयागराज के महाकुम्भ में सम्मिलित हुए। आस्था और आध्यात्म के सबसे बड़े समागम महाकुम्भ में राजनयिकों का सबसे पहले अरैल क्षेत्र स्थित त्रिवेणी संकुल में यूपी सरकार की ओर से स्वागत और अभिनन्दन किया गया। वहां से सभी राजनयिकों को जेटी बोट के जरिए पवित्र त्रिवेणी संगम का दर्शन करवाया गया। उन्हें देश की सनातन संस्कृति और उसमें पवित्र संगम व महाकुम्भ की महत्ता के बारे में बताया गया। कुछ देश के राजनयिकों ने संगम में पवित्र स्नान और गंगा जल का आचमन भी किया। इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताया।

उपराष्ट्रपति ने त्रिवेणी संगम में लगाई पावन डुबकी, कहा: धन्य हुआ जीवन

महाकुम्भनगर, 1 फरवरी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को त्रिवेणी संगम में स्नान किया और इस घटना को जीवन धन्य करने वाला अवसर बताया। उपराष्ट्रपति धनखड़ तीर्थराज प्रयागराज पत्नी व परिवार समेत हेलिकॉप्टर से पहुंचे जहां हेलिपैड पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने उनका अंगवस्त्र ओढ़ाकर स्वागत किया। यहां से वह अरैल संगम घाट की ओर बढ़े जहां क्रूज पर सवार होकर उन्होंने नौकायन का आनंद लिया और त्रिवेणी संगम में चिह्नित स्थान पर स्नान किया। इस दौरान स्वस्ति वाचन की गूंज के मध्य धनखड़ ने सिर पर शिवलिंग रखकर आस्था की पवित्र डुबकी लगाई। इस दौरान वृंदावन के मुख्य पुजारी पुंडरीक गोस्वामी ने पूजन-अर्चन किया।

साइबेरियन पक्षियों को देखकर हुए उत्साहित, अपने हाथ से डाला दाना

इससे पूर्व नौकायन के दौरान साइबेरियन पक्षियों को देखकर वह उत्साहित हो उठे। उन्होंने कलरव करते पक्षियों को अपने हाथ से दाना डाला और परिजनों समेत इस आनंदित करने वाले क्षण का आनंद लिया। नौकायन के दौरान उन्होंने त्रिवेणी संगम के महात्म के बारे में सीएम योगी से जाना। धवल वर्णा गंगा और श्यामल वर्णा यमुना समेत अदृश्य सरस्वति के महाप्रयाग को महाकुम्भ की पुण्य वेला में दर्शन करके, उसमें स्नान कर जनकल्याण का संकल्प लेकर उपराष्ट्रपति प्रफुल्लित दिखे। उन्होंने इस अवसर को जीवन धन्य करने वाला क्षण बताया। त्रिवेणी संगम में स्नान के पूर्व संगम नोज व आस-पास के घाटों पर स्नान कर रहे स्नानार्थियों का अभिवादन किया। स्नान के बाद उन्होंने तीर्थराज प्रयाग की जय और नमः पार्वति पतये हर-हर महादेव का जयकारा उद्घोषित किया।

कैथल

पूर्व सैनिकों की 2 फरवरी की मासिक बैठक में लगेगा मेडिकल कैंप

मीटिंग में उपस्थित पूर्व सैनिक।

कैथल, जनवरी : पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन कैथल की फरवरी मास की मासिक मीटिंग 2 फरवरी को प्रातः 9:30 बजे हनुमान वाटिका में होगी। यह जानकारी एसोसिएशन के प्रधान जगजीत फौजी ने दी। उन्होंने बताया कि मीटिंग में एसोसिएशन अपने कई अहम मुद्दों पर फैसला लेगी। साथ ही इस दिन यथार्थ हॉस्पिटल फरीदाबाद से एक डॉक्टरों की टीम भी पहुंच रही है जो की फ्री चेकअप कैंप लगाएगी। इस कैंप में दिल, फेफड़ों, वजन और बॉडी, बॉडी में ऑक्सीजन, शुगर, ब्लड शुगर व वीपी वगैरा की विशेषज्ञों द्वारा जांच की जाएगी। प्रधान ने बताया कि इसका फायदा हमारे सभी पूर्व सैनिक, सैनिक परिवार व शहीद परिवार उठा सकेंगे। मीटिंग में महासचिव जेडब्ल्यूओ दलबीर सिंह, वरिष्ठ उप प्रधान सूबेदार मेजर रामफल चहल, सूबेदार मेजर खजान सिंह, सिपाही फौजी कर्मवीर, दफेदार बलदेव सिंह व हवलदार शीशपाल माजरा आदि साथी मीटिंग में उपस्थित रहे।

आरकेएसडी कालेज में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर गतिविधियां करवाई

कार्यक्रम में उपस्थित स्टाफ व छात्र।

कैथल, जनवरी : आरकेएसडी महाविद्यालय में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राजनीति शास्त्र एवं अंग्रेजी विभाग के सयुंक्त तत्वाधान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। राष्ट्रपिता के विचारों, कार्यों एवं संबंधित गतिविधियों की चित्र प्रदर्शनी के साथ इनके ऊपर विचार चित्र की सृजनात्मक गतिविधि भी करवाई गई। इसका शुभारम्भ प्राचार्य डा. संजय गोयल ने गांधीजी जी प्रतिमा को पुष्पांजलि के साथ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक डा. गीता गोयल एवं प्रो. श्रीओम, सहसंयोजक डा. मंजुला गुप्ता एवं डा. अशोक अत्रि, डा. विकास भारद्वाज, प्रो. ऋचा एवं प्रो अंजलि, डा. विरेन्द्र सिंह, डा. विनोद, डा. अनुकृति, डा. नरेश पुस्तकालयाध्यक्ष, डा. जगबीर, प्रो. विजय एवं प्रो. लेखिका भी उपस्थित रहे। चित्र प्रदर्शनी में गांधी जी से सम्बंधित लगभग 200 चित्र, स्लोगन, किताब, एवं फोटोग्राफ प्रदर्शित किए गये। विचारचित्र की प्रतियोगिता में 10 टीमों ने भाग लिया। इन्होंने गांधी जी से सम्बंधित विडिओ क्लिप, पोस्टर एवं कोलाज को प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे। प्रथम विधि एवं मानवी, द्वितीय अंजु, तृतीय कोमल एवं नीरू, सांत्वना पुरस्कार साहिबा एवं माफी। इस कार्यक्रम में दोनों विभागों के 90 विद्यार्थियों के अलावा 200 दर्शकों एवं कर्मचारियों ने चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट पर सेमीनार

प्राचार्य के साथ छात्र-छात्राएं।

कैथल, जनवरी : आरकेएसडी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग द्वारा दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट से अंतर्दृष्टि विषय पर शुरू किया गया था। प्राचार्य डॉ संजय गोयल मुख्य अतिथि थे। डॉ गोयल ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया जिसमें अर्थशास्त्र के छात्रों और शोधकताओं के लिए आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट के महत्व को रेखांकित किया गया। डॉ। गोयल ने इस पहल के लिए विभाग के संकाय के प्रयासों की भी सराहना की। डॉ। सूरज वालिया, अर्थशास्त्र विभाग के प्रमुख ने डॉ गोयल और छात्रों का स्वागत किया। डॉ वालिया ने बताया कि आर्थिक सर्वेक्षण एक अतीत की ओर देखने वाला दस्तावेज है और केंद्रीय बजट एक आगे की ओर देखने वाला दस्तावेज है। बीए अर्थशास्त्र 6 सेमेस्टर, बीकॉम 6 सेमेस्टर, एमकॉम 4 सेमेस्टर के कुल 46 छात्र इसमें भाग ले रहे हैं। छात्रों ने आर्थिक सर्वेक्षण और केंद्रीय बजट के संबंध में अपने प्रश्न और चिंताओं को भी उठाया। डिंकी खुराना और नीलम खुराना ने समग्र कार्यक्रम का प्रबंधन किया। कनिष्का तनवर, अर्थशास्त्र संघ के छात्र ने मंच संचालन किया। पूजा और स्नेहा ने भी कार्यो को संभाला।

जिला स्तरीय पीएमश्री स्कूलों की खेल प्रतियोगिताएं संपन्न

अपने कोच के साथ खिलाड़ी।

कैथल, जनवरी : जिला स्तरीय पीएमश्री स्कूलों की खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारंभ बीआरसी संजय शर्मा द्वारा किया गया। इस मौके पर एईओ खेल रमेश चहल ने बताया कि जिले में 14 पीएमश्री स्कूल हैं जिनके लगभग 616 लडके और लड़कियों ने भाग लिया। आज के खेलों में केवल 8 इवेंट्स के मुकाबले हुए। लड़कियों के मुकाबले में 6वीं से 8वीं की 100 मीटर में निशु बलबेड़ा, 200 मीटर में सिमरन बाता, 400 मीटर में सुनैना बलबेड़ा, लॉन्ग जंप में हिमांशी फरल, डिस्कस थ्रो में नेहा फरल, शॉट पुट में नवलीन, हाई जंप में काजल राजौंद, रिले रेस में असू, विदा, खुशी, रितिका राजौंद। 9वीं से 12वीं लड़कियों के 100 मीटर में आंचल बाता, 200 मीटर में मोनिका सीवन, 400 मीटर में जॉनी जाखोली अड्डा, डिस्कस थ्रो में संजना राजौंद, शॉट पुट में प्रियंका राजौंद, लॉन्ग जंप में माफी बलबेड़ा, हाई जंप में प्रियंका राजौंद, रिले रेस में निशु, मन्नू, प्रियंका, संध्या राजौंद। छठी से आठवीं लडकों के 100 मीटर में समीर बलबेड़ा, 200 मीटर मेंअमन नरड़, 400 मीटर में हिमांशु भुन्ना, डिस्कस थ्रो में अरमान नरड़, शॉट पुट में अंकुश बलबेड़ा, लांग जंप में मोहित बाता, हाई जंप में जश्न बलबेड़ा, रिले रेस में मोहित, निर्मल, आदित्य, प्रिंस बाता, 9वीं से 12वीं 100 मीटर में सचिन पाई, 200 मीटर में आशीष पाई, 400 मीटर में हरमन बलबेड़ा, डिस्कस थ्रो में विक्रम बलबेड़ा, शॉट पुट में सुमित भुन्ना, लांग जंप में कसीम कमालपुर, हाई जंप में मनदीप बलबेड़ा, रिले रेस में लक्की, हिमांशु, अभिषेक, मोहित बाता। इस मौके पर बलजीत खटकड़, मनोज कुमार, अशोक शर्मा, भूप सिंह, पवन कुमार, कुलदीप शर्मा, नरमैल सिंह, संदीप कुमार, बलजीत मलिक, हकीकत राय, विजय बुरा, नीरू, नीलम, अनुराधा, सुमन, मोहन लाल, सुभाष, फूल कुमार, धीर सिंह, संजय, शमशेर आदि कर्मचारियों ने सहयोग किया।

देश को निरंतर आगे बढ़ाना वाला बताया ओर आमजन को राहत देना वाला बजट

करनाल/घरौंडा बीटू संधू

विधानसभा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण ने देश के वार्षिक बजट को देश को निरंतर आगे बढ़ाना वाला बताया ओर आमजन को राहत देना वाला बजट है। उन्होंने कहा कि बजट में माध्यम वर्ग के लिए जो निर्णय लिया गया है उससे देश के मिडिल क्लास परिवारों को बड़ा फायदा होगा। बजट में किसानों, कृषि ओर इंफ्रास्ट्रक्चर पर फोकस किया गया है । विधानसभा अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि बजट में लाइफ सेविंग दवाओं की कीमतें कम करने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया गया है । जरूरी दवाओं के भाव कम होने से लोगों को सीधा फायदा मिलेगा । केजरीवाल द्वारा यमुना नदी के पानी को लेकर दिए गए बयान पर विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल ने ये बयान चुनावी लाभ लेने के लिए दिया है

। गलत इल्जाम लगाना ठीक नहीं है बल्कि समाधान निकालने के लिए कदम उठाने चाहिए । हरियाणा सरकार इस विषय पर आगे जरूर बढ़ेगी । कल्याण ने कहा कि आगामी पांच वर्षों में वे घरौंडा विधानसभा को योजनाबद्ध तरीके से आगे लेकर जायेंगे । कई पुरानी योजनाएं है उन्हें पूरा किया जाएगा और नए प्रोजेक्ट को लेकर प्लानिंग होगी । हरविंद्र कल्याण घरौंडा में चल रहे विकास कार्यों का निरीक्षण करने पहुंचे थे । कल्याण पहले फुरलक रोड स्थित गौशाला पहुंचे यहां उन्होंने गौसेवा की ओर संचालकों से गौशाला के विस्तार ओर आवश्यकताओं को लेकर चर्चा की । इसके बाद उन्होंने रेलवे रोड से अंडरपास को जोड़ने वाली सड़क के पुनर्निर्माण के कार्य का जायजा लिया और अधिकारियों को निर्देश दिए । वीर सावरकर पार्क में पहुंचे विधानसभा स्पीकर ने बच्चों के साथ क्रिकेट में हाथ आजमाए । छोटे बच्चों के साथ स्पीकर महोदय काफी देर तक क्रिकेट खेले और बल्ले से शॉट लगाए । पार्क में मौजूद लोगों से उन्होंने पार्क की व्यवस्था ओर सुधार को लेकर भी चर्चा की।

सभी वर्गों के लिए हितकारी केंद्रीय बजट किया गया पेश: विधायक जगमोहन आनंद

विधायक जगमोहन आनंद ने केंद्रीय बजट 2025-26 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित मंत्री निर्मला सीतारण का जताया आभार

करनाल बीटू संधू

करनाल। के विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि वर्ष 2025-26 के लिए केंद्रीय वित्त मंत्री ने सभी वर्गों के लिए हितकारी बजट पेश किया है। इस बजट से रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और देश को और तरक्की मिलेगी। इस बजट से हरियाणा को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व केंद्रीय वित मंत्री निर्मला सीतारमण का धन्यवाद किया। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि इस बजट में कृषि, स्वास्थ्य, रोजगार, उद्योग, किसान सभी वर्गों के लिए घोषणाएं की गई है। किसान क्रेडिट कार्ड पर ऋण सीमा 3 लाख रुपये से बढ़ाकर 5 लाख रुपये कर दी गई है। धन धान्य कृषि योजना के तहत 100 कम उत्पादकता वाले

जिलों पर ध्यान दिया जाएगा। इस बजट से हरियाणा को भारी लाभ होगा क्योंकि हरियाणा एक कृषि प्रधान राज्य है। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि यह बजट गरीब एवं मध्यम वर्ग सहित सभी वर्गों के हित में है। बजट से मेडिकल एजुकेशन का विस्तार होगा। मेडिकल पेशेवरों की कमी को दूर करने के लिए केंद्र सरकार ने आने वाले साल में 10,000 मेडिकल सीटें बढ़ाने की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य अगले पांच वर्षों में 75,000 सीटें बढ़ाना है। सरकार के इस कदम से डॉक्टरों और विशेषज्ञों की वृद्धि होने की उम्मीद है, खासकर ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में लोगों को डॉक्टरों की उपलब्धता आसान होगी। उन्होंने कहा कि यह बजट किसानों की आमदनी को बढ़ाने, कृषि क्षेत्र को सशक्त बनाने और ग्रामीण विकास को गति देने वाला है। स्टार्ट अप व उद्यमियों के लिए नई-नई योजनाएं शुरू की गई हैं। इसके साथ-साथ सभी अस्पतालों में डे केयर कैंसर केंद्रों की स्थापना की सुविधा स्थापित।

विधायक जगमोहन आनंद ने हरी झंडी दिखाकर प्रयागराज महाकुंभ के लिए बस सेवा को किया रवाना

करनाल बीटू संधू

करनाल। के विधायक जगमोहन आनंद ने शनिवार को करनाल पुराने बस अड्डे से प्रयागराज महाकुंभ के लिए शुरू हुई हरियाणा रोडवेज की बस सर्विस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान बड़ी संख्या में यात्री मौजूद रहे। उन्होंने बस में सवार सभी यात्रियों की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। विधायक जगमोहन आनंद ने बताया कि यह बड़े हर्ष की बात है कि करनाल बस अड्डे से हरियाणा रोडवेज की बस सर्विस प्रयागराज महाकुंभ के लिए शुरू हुई है। यह बस हररोज करनाल के पुराने बस अड्डे से रवाना होगी। करनाल से प्रयागराज के लिए बस दोपहर 2 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 7.10 पर प्रयागराज पहुंचेगी। इसके साथ-साथ प्रयागराज से यह बस शाम 4 बजे चलेगी और करनाल पुराने बस अड्डे पर अगले दिन 9.10 पर पहुंचेगी। बस कुल 848 किलोमीटर की दूरी तय करेगी। करनाल से प्रयागराज तक का किराया 1119 रुपये रखा गया है। विधायक जगमोहन आनंद ने हरियाणा रोडवेज की प्रशंसा करते हुए कहा कि रोडवेज ने यह बहुत अच्छी पहल की है। बड़ी संख्या में यात्री हर दिन महाकुंभ में प्रयागराज के लिए जा रहे हैं। ऐसे में करनाल से सीधे प्रयागराज के लिए यह बस सुविधा मिलना बेहद सुविधाजनक रहेगा। उन्होंने हरियाणा रोडवेज बस व यात्रियों को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर हरियाणा रोडवेज के जीएम कुलदीप सिंह व ट्रैफिक मैनेजर रोहताश जांगड़ा, नफेसिंह, सुरेश व अन्य मौजूद रहे।

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल (मुख्य शाखा) ने कक्षा और क्कके टॉपर्स के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया

करनाल सुखविंदर सोही

दयाल सिंह पब्लिक स्कूल (मुख्य शाखा)करनाल के परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया, जिसमें शैक्षणिक सत्र 2023-24 के दौरान कक्षा और क्कके विद्यार्थियों की उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए उनको पुरस्कृत किया गया। प्रधानाचार्या सुषमा देवगन ने छात्रों को प्रेरणादायक संबोधन दिया और उनकी मेहनत, सकारात्मक सोच, तथा नैतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया, जो अकादमिक सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक हैं। इस समारोह में आस्था को जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने (कक्षा) और दिव्या बंसल को जिले में तृतीय स्थान प्राप्त करने (कक्षा क्क- ह्यूमैनिटीज) पर ट्रॉफी और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 95% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और विषयवार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी ट्रॉफी और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणा स्रोत बना और उन्हें अपने शैक्षणिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करने की प्रेरणा दी।

किसानों को कर्ज के मकडजाल में फसांने वाला है केंद्र का बजट: रतनमान

करनाल सुखविंदर सोही

भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के प्रदेश अध्यक्ष रतनमान ने केंद्र सरकार द्वारा पेश किए गए 2025-26 के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मौजूदा बजट ने किसानों को और कर्जदार बनाने वाला है। जिसकों लेकर देशभर के किसानों में निराशा का माहौल है। मान ने कहा कि किसानों को मोदी सरकार से बजट में एमएसपी पर खरीद गांरटी का कानून बनाए जाने की पूरी उ6मीद थी। लेकिन किसानों के हाथ बिल्कुल खाली रह गए है। केंद्र सरकार द्वारा कर्ज की सीमा में बढ़ौतरी करने से किसानों में आत्महत्याएं करने के मामलों में और बढ़ौतरी होगी। बजट में कहीं भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्रावधान नही किया गया है। पूर्ण रूप से बजट किसान विरोधी है।

सेवानिवृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया

करनाल सुखविंदर सोही

श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कोहंड घरौंदा में प्रिंसिपल श्रीमती सुषमा गोयल जी के मार्गदर्शन में श्रीमती सुशीला भारद्वाज जी, ञ्त्रञ्ज स्ष्द्बद्गठ्ठष्द्ग का सेवानिवृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्रीमती सुशीला भारद्वाज के पारिवारिक सदस्यों के अतिरिक्त अन्य मेहमान तथा विद्यालय का सारा स्टाफ मौजूद रहा। श्रीमती सुशीला भारद्वाज ने 23 दिसंबर 1995 को अपनी राजकीय सेवाओं का प्रारम्भ किया था तथा आज 31 जनवरी 2025 को 29 वर्षों की सफल राजकीय सेवा के उपरांत सेवानिवृत हुई। इस पूरे समय के दौरान उन्होंने अपनी राजकीय सेवाओं का मन से तथा पूरी ईमानदारी से निर्वहन किया। अपनी सेवा के अंतिम दिन उन्होंने विद्यालय के छात्रों की भलाई के लिए विद्यालय की लाइब्रेरी के लिए 35000 /- रुपए का फर्नीचर उपलब्ध करवाया ताकि बच्चे बैठ कर अच्छे से पढाई कर सकें। विद्यालय की प्रिंसिपल श्रीमती सुषमा गोयल जी तथा विद्यालय के सम्पूर्ण स्टाफ की तरफ से यही कामना है कि श्रीमती सुशीला भारद्वाज अपनी सेवा निवृति के बाद पूर्ण रूप से स्वस्थ रहे तथा भगवान उनको दीघार्यु करें तथा अपना जीवन सुख शांति से व्यतीत करें।

आदित्य कुमार शर्मा ने प्रदेश स्तर पर गुडगांव में आयोजित बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर स्कूल व जिला का नाम किया रोशन

राजौंद, जनवरी : गुड़गांव में आयोजित 52वीं राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में अदित्य शर्मा ने जिला का प्रतिनिधित्व करते हुए भाग लिया। प्रदर्शनी का थीम साईस एंड टेक्नोलॉजी फार सूटेबल फ्यूचर था। प्रतियोगिता प्रदर्शनी में कक्षा छठी से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने साईस विषय पर आयोजित वैज्ञानिक प्रदर्शनी में अपने मॉडल बनाकर प्रदर्शित किए। हरियाणा प्रदेश के कक्षा आठवीं से बारहवीं के विद्यार्थियों ने प्राकृतिक प्रकोप या दुर्घटना के समय मानव जीवन को सुरक्षित, सहज बनाने में लिए सहायक उपकरण, मॉडल बनाकर प्रतियोगी प्रदर्शनी में

छात्र आदित्य शर्मा को सम्मानित करते हुए।

भाग लिया। आदित्य कुमार शर्मा गांव नीमवाला के सरकारी स्कूल आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी में कक्षा आठवीं का छात्र है। छात्र ने खंड राजौंद व जिला कैथल में प्रथम स्थान प्राप्त करने के पश्चात प्रदेशस्तर पर गुडगांव में आयोजित राज्य स्तरीय साइंस प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल कर जिला कैथल व आरोही मॉडल स्कूल सौगरी का नाम रोशन किया है। इस बारे स्कूल प्रिंसिपल सुनीता अहूजा ने बताया कि विद्यार्थी ने स्टेट कॉनसील आफ एजुकेशन रिसर्च एंड ट्रेनिंग हरियाणा गुरुग्राम एनसीईआरटी द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में डिजास्टर मनेजमेंट विषय पर आधिरित बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता में मल्टी पर्पज वाइब्रेशन स्टिक बनाई थी। उसने प्रतियोगिता में प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान हासिल कर स्कूल व जिला कैथल का नाम रोशन किया है। अब वह नवम्बर में नेशनल स्तर पर आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेकर विद्यालय का नाम रोशन करेगा। ब्लाक शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप ने विद्यार्थी आदित्य कुमार शर्मा, परिवार, स्कूल मुखिया व स्टाफ को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

बुजर्ग से ठगी मामले में आरोपी काबू

कैथल, जनवरी : एक बुजुर्ग से ठगी करने के मामले की जांच सीआईए 1 पुलिस प्रभारी एसआई पारस की अगुवाई में एएसआई सुभाष सिंह की टीम द्वारा करते गांव कठवाड़ निवासी राजेश को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया की फ्रासंवाला रोड निवासी मृत्युंजय मारुती शर्मा की शिकायत के अनुसार उसके पिता डॉ. बिहारी लाल शर्मा सेवानिवृत्त डॉक्टर हैं।

25 जनवरी को सुबह साढ़े 10 बजे उसके पिता घर के सामने टहल रहे थे। उसी समय एक लड़का वहां पहुंचा। लडके ने उसके पिता के पांव छू कर कहा कि मेरे पास 200 रुपए के नोटों का पैकेट है। आप इसके बदले में मुझे 500-500 रुपए के नोट दे दो। आरोपी ने उसके पिता से 10 हजार रुपए ले लिए। रुपए लेने के बाद कहा कि आप मेरे साथ चलो मैं आपको बाइक पर वापस छोड़ जाउंगा। यह कहकर युवक उसके पिता को बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद आरोपी उसके पिता को राजकीय स्कूल के पास छोडकर फरार हो गया। इस बारे थाना शहर में मामला दर्ज कर लिया गया। राजेश के कब्जे से 3 हजार रुपये तथा वारदात में प्रयुक्त बाइक बरामद की गई। उसे शुक्रवार को अदालत के आदेशानुसार न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

गुम हुए करीब 2.40 लाख रुपए मूल्य के 15 मोबाइल फोन लौटाए

फोन लोटाते हुए डीएसपी सुशील प्रकाश।

कैथल, जनवरी : साइबर सैल कैथल पुलिस द्वारा 15 व्यक्तियों के गुमशुदा महंगे मोबाइल फोन ट्रेस करके बरामद कर लिए गये।

इन्हें शुक्रवार को डीएसपी सुशील प्रकाश द्वारा कार्यालय में उनके मालिकों के सुपुर्द कर दिया गया। बरामद किए गए सभी 15 मोबाइल फोन करीब 2.40 लाख रुपए से ज्यादा मूल्य के आंके गए हैं।

पुलिस प्रवक्ता प्रवीन श्योकंद ने बताया कि एसपी राजेश कालिया के आदेश की अनुपालना करते हुए साईबर सेल इंचार्ज पीएसआई अमन कुमार की अगुवाई में साइबर सेल द्वारा गुमशुदा मोबाइल फोन के मामलों की जांच के दौरान हरियाणा के विभिन्न अलग-अलग स्थानों से उन व्यक्तियों को ट्रेस किया गया जो उक्त गुमशुदा फोन को लावारिश हालात में मिलने उपरांत यूज कर रहे थे। उनके कब्जे से नियमानुसार कार्रवाई अंतर्गत पुलिस द्वारा फोन जब्त कर लिए गये। डीएसपी सुशील प्रकाश ने कहा कि किसी व्यक्ति के फोन गुम होने की शिकायत मिलने पर पुलिस द्वारा गुमशुदा फोन को ढूंढने का हर संभव प्रयास किया जाता है।

पेट्रोल में पानी मिलाने का आरोप

मौके पर जांच करते हुए अधिकारी।

कैथल, जनवरी : यहां पुराने बस स्टैंड के पास बने बनारसी दास एंड संस पेट्रोल पंप पर पेट्रोल में पानी डालकर बेचने का मामला सामने आया है। शिकायत के बाद डीएफसी विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पेट्रोल डीजल के सेंपल लिए। शिकायतकर्ता सुमित ने बताया उसने 23 जनवरी को बनारसी दास एंड संस पेट्रोल पंप से अपनी बाइक की पेट्रोल की टंकी भरवाई थी। जब तक टंकी में पेट्रोल था तो बाइक चलती रही जब बाइक स्टार्ट न होने की समस्याए आई तो मैंने मैकेनिक को दिखाया। मैकेनिक ने बताया कि जब तक बाइक में पेट्रोल था तो चलती रही लेकिन अब पानी नीचे चला गया और पेट्रोल ऊपर आ गया। इस कारण जब तक पेट्रोल रहा तब तक बाइक चलती रही। इस बारे में डीएफएससी से भी बात की गई तो उन्होंने कहा कि पेट्रोल के सैंपल लिए गए हैं। इसकी जांच की जाएगी। यदि कुछ गड़बड़ पाई तो कार्रवाई की जाएगी।

हर घर हर गृहणी योजना का लाभ उठाने की अपील

राजौंद, जनवरी : खाद्य आपूर्ति निरीक्षक विनोद कुमार ने सरकार द्वारा संचालित हर घर हर गृहणी योजना के तहत बीपीएल और एएवाई कार्ड धारक से योजना का लाभ उठाने की अपील की। उन्होंने बताया कि इसके लिए पात्र व्यक्ति अपने बैक अकाउंट की कॉपी, राशन कार्ड, गैस एजेंसी कॉपी लेकर नजदीकी सीएचसी सेंटर पर रजिस्ट्रेशन करवाएं ताकि सरकार द्वारा दी जाने वालीं सब्सिडी अपने खाते में पा सके। उन्होंने कहा कि इस योजना के लाभार्थी को गैस सिलेंडर 500 रुपए में मिलेगा जो उज्ज्वल योजना के लाभार्थी है वह भी इस योजना के अंतर्गत अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते है। विश्व योजना का लाभ उठाने के लिए पात्र व्यक्ति अपने नजदीकी सीएचसी सेंटर पर रजिस्ट्रेशन जरूर करवाएं।

इंदिरा आवास कॉलोनी के सामने गति अवरोध बनाने की मांग

राजौंद, जनवरी : जींद रोड पर स्थित इंदिरा आवास कॉलोनी के सामने गति अवरोध बनाने की मांग पिछले लंबे समय से कॉलोनी वासियों द्वारा की जा रही है। लेकिन संबंधित विभाग इस और कोई ध्यान नहीं दे रहा जिससे लोगों में रोष है। इस बारे वार्ड नंबर 6 निवासी सुभाष, शिव कुमार, राजेश, रामकुमार, सनी, पंकज, दर्शन ने बताया कि यहां छोटे छोटे बच्चे हर समय सडक से गुजरते हैं व कॉलोनी नगर से बाहर होने के कारण अक्सर यहां से बसें व अन्य छोटे बड़े वाहन बड़ी तेजगति से गुजरते हैं जिससे हर समय हादसा होने का भय बना रहता है।

छात्रा का शव बरामदगी का मामला

गला दबाकर की गई थी बेरहमी से हत्या

परिजनों ने हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई

■ उरई

गुरुवार को थाना अंतर्गत ग्राम अमीटा में पेपर देकर लौट रहीं बीए की छात्रा का नहर किनारे झाड़ियां से शव बरामद हुआ था, अंदाजा लगाया जा रहा था कि छात्र की गैंगरेप के बाद हत्या कर दी गई है जो अंदाजा लगाया गया था वह पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिद्ध भी हो गया पोस्टमार्टम रिपोर्ट मैं बताया गया की छात्रा की गला घोट कर हत्या की गई जब छात्रा का था उसके पैतृक गांव आया तो ग्रामीणों ने हंगामा काट दिया तथा हत्या आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की छात्र के परिजनों तथा ग्रामीणों ने जब तक शव का दाह संस्कार न करने की बात कही है जब तक की हत्यारो की गिरफ्तारी नहीं होती, फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा हत्या आरोपियों की गहनता से तलाश कर रही है।

गौरतलब हो कि गुरुवार को एट थाने के ग्राम अमिटा में 20 वर्षीय छात्रा खुशी पुत्री भगत सिंह निवासी ग्राम रूरा अड्डू कोतवाली उरई का शव बरामद हुआ था वह ग्राम अमिटा में अपने फूफा ज्ञानेंद्र सिंह के घर रहकर पढ़ाई कर रही थी, बीते रोज वह पेपर देकर आटा से ग्राम अमिटा आई थी जहां उसकी हत्या कर दी गई,इस घटना के सामने आने के बाद पुलिस ने शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था,आज जब पोस्टमार्टम रिपोर्ट आई तो उसमें हत्या की पुष्टि हो गई इसके बाद परिजनों व ग्रामीणों का कहना है की छात्रा की गैंगरेप के बाद हत्या की गई है लिहाजा जब तक अपराधियों की गिरफ्तारी नहीं होती तब तक वह शव का दाह संस्कार नहीं करेंगे।फिलहाल पुलिस परिजनों को समझाने की कोशिश कर रहीं हैं।

जलील हुसैन हाउस पर महफिल हुई

मुजफ्फरपुर नबी के नवासे हजरत अली अलैहिस्सलाम के बेटे हजरत बीबी फातिमा के लखते जिगर हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की विलादत पर ऑल इंडिया अंनजुमने तबलीगे इमामे हुसैन की जानिब से हर साल की तरह इस साल भी जलील हुसैन हाउस पर महफिल हुई जिस महफिल को अंजुमन के सदर अली अब्बास अब्दी ने बयान फरमाया महफिल में सूरह यासीन सूरह रहमान सूरह वाकिया अयातुल कुर्सी की तिलावत की गई तीन साबान को हजरत अली अलैहिस्सलाम के घर पर हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम की विलादत हुई पूरे कायनात में जशन का माहौल था फरिश्तों में जशन का माहौल था खुदा का हुक्म हुआ कि सारे फरिश्ते जाओ नबी के घर एक नेवासा आया है जाकर मुबारकबाद पेश करो तमाम फरिश्ते मुबारकबाद देने के लिए चले एक फितरुस नाम का फरिश्ता था जिनको खुदा ने किसी सजा में बालों पर छीन लिया वह फरिश्ता भी एक दूसरे फरिश्ता से बोल कि मुझे भी ले चलो और जैसे नबी के घर पर आया इमामे हुसैन के झूले से मस हुआ उसे फिर बालों पर आता कर दिया गया अब वह आवाज लगता हुआ जा रहा था कि मुझे हजरत इमाम में हुसैन हुसैन अलैहिस्सलाम ने बालों पर अता कर दिया राहिब नाम का एक इंसान नबी के पास आया नबी से फरमाया या नबी अल्लाह मुझे औलाद नहीं है मुझे औलाद अता कर दीजिए नबी ने फरमाया तुम्हारा किस्मत में औलाद नहीं है वह नबी के घर से मायूस होकर वापस जा रहा था इमामे हुसैन अलैहिस्सलाम का बचपन था वह खेल रहे थे उन्होंने देखा कि यह रही मायूस होकर लौट रहा है कहा कि क्या बात है तू मायूस होकर लौट रहा है उसने कहा कि मैं आपके नाना के पास गया था कि मुझे औलाद आता कर दीजिए सरकार ने फरमाया कि तुम्हारा किस्मत में औलाद नहीं है हजरत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम को लेकर अपने नाना के पास आए कहां नाना मैंने इसको एक औलाद आता किया मैंने दो औलाद आता किया इस तरह से इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम ने उसको सात बेटे अता किया परवरदिगार ने उन्हें सात बेटे दिए हजरत इमाम में हुसैन अलैहिस्सलाम को यह गवारा नहीं था की कोई मेरे नाना के पास आए और वह खाली हाथ लौट जाए नवी और आले नबी के खूबी को दुनिया का कोई इंसान बयान नहीं कर सकता दुनिया के सारे समंदर को स्याही बना दिया जाए दुनिया के सारे दरखत को कलम बना दिया जाए और दुनिया के तमाम इंसान तमाम जीन और तमाम फरिश्ते नवी और आले नबी की फजीलत को लिखना चाहे कयामत आ जाए लेकिन इनकी फजीलत और खूबी को नहीं लिखा जा सकता और नहीं बयान किया जा सकता है यह इलाही नुमाइनदे थे खुदा ने इनको नूर से पैदा किया वह इंसानी शक्ल में बनाकर भेजा लेकिन यह परवरदिगार की मर्जी लेकर इस दुनिया में आए थेजो परवरदिगार का हुकुम और पैगाम था वह दुनिया में पहुंचा कर फिर परवरदिगार के पास चले गए इनका जिक्र कयामत तक होता रहेगा हुसैन जिंदाबाद हुसैन जिंदाबाद हुसैन जिंदाबाद।

नगर पालिका के नाम पर वाहनों से जबरन अवैध वसूली का आरोप, पीड़ित पहुंचा पुलिस की शरण में

■ जालौन-उरई

नगर पालिका के नाम से तहबाजारी के नाम पर वाहनों से जबरन अवैध वसूली के आरोप लग रहे हैं। शुक्रवार को महाराष्ट्र से केला लादकर आ रहे ट्रक के चालक को रोककर दो युवकों ने जबरन 200 रुपये की रसीद काट दी। जब चालक ने रुपये देने से इंकार किया तो गाली, गलौज कर न सिर्फ मारपीट की बल्कि उसकी जेब में पड़े 3000 रुपये भी छीन लिए। पीड़ित वाहन चालक ने मामले की तहरीर कोतवाली में दी है। पुलिस ने आरोपी युवकों को पकड़ा है और उनसे पूछतांछ कर रही है। जबकि पालिकाध्यक्ष ने ऐसी कोई वसूली नगर पालिका द्वारा कराए जाने से इंकार किया है।

जनपद आगरा के थाना इरारतनगर क्षेत्र के घड़ी वृंदावन निवासी धर्मेंद्र पुत्र प्रेम सिंह ने पुलिस को बताया कि वह शुक्रवार की सुबह सहादा महाराष्ट्र से कच्चा केला लेकर जालौन आ रहे थे। जब वह पंडित दीनदयाल उपाध्याय चौराहे के पास पहुंचे तभी बाइक सवार दो युवकों ने उसके ट्रक के आगे बाइक खड़ी करके जबरन उसे रोक लिया और तहबाजारी के नाम पर जबरन उससे 500 रुपये की मांग करने लगे। जब उसने बताया कि ऐसी कोई रसीद तो कटती नहीं हैं। जिस पर उन्होंने नगर पालिका परिषद जालौन के नाम से 200 रुपये की रसीद काटकर उसे थमा दी और जबरन उस पर 200 रुपये देने का दबाव बनाने लगे। जब उसने रुपये देने से इंकार किया तो उन्होंने गाली, गलौज शुरू कर दी और उसे ट्रक से उतारकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी, जिसमें उसे चोटें आई हैं। मारपीट के बाद दोनों उसकी जेब में पड़े 3000 रुपये छीनकर वहां से भाग गए। ट्रक चालक ने इस दौरान दोनों का वीडियो भी बना लिया। वीडियो के आधार पर पुलिस ने दो युवकों को पकड़ा है जिनसे पूछतांछ की जा रही है साथ ही नगर पालिका से भी जानकारी ली। पालिकाध्यक्ष नेहा पुनीत मित्तल ने बताया कि नगर पालिका परिषद द्वारा वाहनों से कोई वसूली नहीं कराई जा रही है। यदि कोई नगर पालिका के नाम से वसूली कर रहा है तो वह अवैध है। कोतवाल वीरेंद्र पटेल ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

'राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह' का हुआ समापन

क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर किया सम्मानित

■ उरई

आज ''राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह'' का भव्य समापन समारोह सेठ जयपुरिया स्कूल में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि डा0 घनश्याम अनुरागी जिला पंचायत अध्यक्ष एवं विशिष्ट अतिथि राजेश कुमार पाण्डेय जिलाधिकारी, डा0 दुर्गेश कुमार, पुलिस अधीक्षक एवं स्वतंत्र देव सिंह कैबिनेट मंत्री जल शक्ति विभाग, उ0प्र0 सरकार के प्रतिनिधि अरविन्द सिंह चौहान उपस्थित रहे। इसके साथ-साथ उक्त कार्यक्रम में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा बॉयडवाल, चन्द्र प्रकाश बेसिक शिक्षा अधिकारी, राजेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रर्व0) प्रथम दल, सुरेश कुमार वरि0-सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशा0/प्रर्व0), विनय कुमार पाण्डेय यात्रीकर/मालकर अधिकारी एवं सुनील कुमार अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग व विद्यालय स्टाफ तथा छात्र-छात्रायें उपस्थित रहे। राजेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रर्व0) प्रथम दल द्वारा राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह की रिपोर्ट उक्त कार्यक्रम प्रस्तुत की गयी एवं उक्त कार्यक्रम में अजय कुमार इटौरिया द्वारा मंच का संचालन किया गया।

सड़क सुरक्षा के कार्यक्रमों में सहयोग करने वाले समाज सेवियों अब्दुल अलीम खान, इं0 अजय कुमार गुप्ता 'इटौरिया', अशोक कुमार राठौर, डा0 सी0पी0 गुप्ता, डा0 नरेश वर्मा, लक्ष्मण दास बबानी, गरिमा पाठक युद्धवीर कंथरिया, शान्ती स्वरुप महेश्वरी, महावीर तरसौलिया, शशि सोमेन्द्र सिंह,रवि वर्मा, अध्यक्ष ई-रिक्शा यूनियन, सुधीर कुमार पाण्डेय, अध्यक्ष ऑटो/टैम्पो यूनियन इत्यादि समाज सेवियों को इस अवसर सम्मानित किया गया। साथ ही महाविद्यालय, इण्टर कॉलेज, जूनियर एवम् प्राथमिक विद्यालयों में चित्रकला, भाषण एवम् क्विज प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया जो भी छात्र-छात्रायें उपस्थित नहीं हुए उनके पुरस्कार सम्बन्धित सक्षम स्तर से विद्यालयों भेजे दिये जायेंगे।

मुख्य अतिथि डा0 घनश्याम अनुरागी जिला पंचायत अध्यक्ष एवम् विशिष्ट अतिथि राजेश कुमार पाण्डेय जिलाधिकारी, डा0 दुर्गेश कुमार पुलिस अधीक्षक एवं मंत्री प्रतिनिधि अरविन्द सिंह चौहान, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट नेहा बॉयडवाल, चन्द्र प्रकाश बेसिक शिक्षा अधिकारी, राजेश कुमार सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रर्व0) प्रथम दल, सुरेश कुमार वरि0-सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशा0/प्रर्व0), विनय कुमार पाण्डेय यात्रीकर/मालकर अधिकारी द्वारा अपने-अपने वक्तव्यों के माध्यम से जनपदवासियों से अपील की है कि प्रदेश और देश के आर्थिक विकास के फलस्वरुप वाहनों में भी निरन्तर वृद्धि हो रही है जिससे नियम संगत ड्राइविंग की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ती जा रही है। हमें दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करते हुए वाहन का संचालन करना एवं इसमें विशेष रुप से सावधानी बरतनी है कि नशे की हालत में हम वाहन न चलायें, मोबाइल फोन का प्रयोग करते हुए हम वाहन न चलायें, गलत दिशा में वाहन न चलायें, लेन ड्राइविंग के नियमों का पालन करें, क्षमता से यात्रियों को न लें जायें, ट्रैक्टर ट्रालियों से यात्रियों को न लें जायें जैसे सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करना हम सब के लिये आवश्यक हो गया है, जिससे जनपद में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लायी जा सके।

कार्यक्रम के अन्त में सुनील कुमार अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग द्वारा आभार ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों में आये हुये फरियादियों को सुना

उरई। पुलिस अधीक्षक डा दुर्गेश कुमार द्वारा क्षेत्राधिकारी व थाना प्रभारीगण के साथ गूगल मीट के माध्यम से वर्चुअली जनसुनवाई कर थानों/कार्यालयों में आये हुये फरियादियों की समस्याओं को सुना गया तथा उनकी समस्याओं के उचित, गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध निस्तारण हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये ।

दो साल पूर्व हुई चोरी की घटना का पुलिस ने किया खुलासा, 2 शातिर चोर गिरफ्तार

■ उरई

थाना सिरसाकलार पुलिस द्वारा दो साल पूर्व हुई चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुये 02 अभियुक्तगण को चोरी के सामान के साथ गिरफ्तार कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी हैं। पूरे मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि नवंबर 2023 में गोपालपुरा में हुई चोरी की घटना का आज पुलिस ने सफल अनावृंरण किया है जब सिरसा कलार थाना पुलिस अपराधियों की धर पकड़ के लिए अभियान चला रही थी तभी भितारी बंबा के पास से पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में जा रहे दो शातिर चोरों को गिरफ्तार कर लिया जब उनसे कड़ाई से पूछताछ की गई तो उन्होंने बताया कि नवंबर 2023 में उन्होंने गोपालपुरा से चोरी की थी, पुलिस ने उपरोक्त अभियुक्तो की निशान देही पर चोरी का माल बरामद कर लिया,पुलिस के अनुसार अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी है तथा उनके पास से चोरी की एक पीली धातु की अंगूठी एक बंदूक तथा चोरी की पीली धातु की जंजीर कंगन एवं अन्य सामग्री बरामद हुई हैं। गिरफ्तार अभियुक्तो के नाम आलोक गुर्जर पुत्र गजेंद्र गुर्जर निवासी ग्राम धामनी थाना सिरसा कलार तथा राम सिंदूर पुत्र महेंद्र सिंह निवासी ग्राम धमनी थाना सिरसा कलार बताए गए हैं गिरफ्तार अभियुक्तो के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करके उन्हें जेल भेज दिया गया है।

पड़ोसियों के विवाद में किशोर की मौत

■ कालपी-उरई

कालपी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम शेखपुर गुढ़ा में शुक्रवार शाम की शाम को विवाद के दौरान 16 वर्षीय किशोर की मौत हो गई। सूचना पाकर इलाकाई पुलिस मौके पर पहुंच गई है। तथा घटनास्थल पर पुलिस तैनात कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शेखपुर गुढ़ा निवासी बृजभान निषाद (16) पुत्र जयपाल निषाद शुक्रवार शाम लगभग 4.30 बजे अपने घर के सामने मौजूद था। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाले कई लोग शराब के नशे में धुत होकर विवाद करने लगे। विवाद के दौरान हमलावरों पत्थर बाजी करके बृजभान के ऊपर पत्थर फेंक दिया। जो उसके नाजुक अंग में लगा। पत्थर लगते ही बृजभान गंभीर रूप से घायल होकर गिर पड़ा फलस्वरूप घटना स्थल पर ही वृषभान की मौत हो गई।परिजन वृजभान को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कालपी पहुंचाया चिकित्सीय परीक्षण करके डॉक्टरों ने वृषभान को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली प्रभारी नागेंद्र पाठक पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने मृतक के परिजनों से पूछताछ की। इस घटना में दूसरे पक्ष के उमाकांत पुत्र मोहर सिंह निवासी गुढा खास को भी चोटे आई है। उमाकांत काइलाज सीएचसी में चल रहा है।घटना की सूचना के बाद हत्यारोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम को तत्काल मौके पर रवाना कर दिया गया। पुलिस ने दावा किया है कि मुलजिम जल्द ही पकड़े जाएंगे।

ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग

■ जालौन-उरई

गांव की समस्याओं को लेकर ग्रामीणों ने डीएम को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं का समाधान कराने की मांग की है। डीएम ने समस्याओं के निस्तारण का भरोसा ग्रामीणों को दिलाया है।

कुठौंदा बुजुर्ग निवासी गजेंद्र सिंह सेंगर, शिवप्रताप सिंह, संतराम, रामप्रकाश, श्यामचरन, जितेंद्र सिंह सेंगर, महेंद्र सिंह सेंगर, मानवेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह, धीरेंद्र सिंह आदि ने डीएम राजेश पांडेय को ज्ञापन सौंपकर बताया कि उनके गांव में कई खेल प्रतिभाएं हैं लेकिन खेल का मैदान न होने से खेल प्रतिभाएं निखरकर सामने नहीं आ पा रही हैं। उनके लिए गांव में खेल का मैदान विकसित किया जाए। इसी प्रकार गांव में व्यायामशाला नहीं है गांव में व्यायामशाला का निर्माण कराया जाए। कई ग्रामीणों के पास जगह की जगह है यदि गांव में बारातघर का निर्माण करा दिया जाए तो उन्हें सुविधा मिलेगी। गांव में अंत्येष्टि स्थल न होने से लोगों को अपने प्रियजनों के अंतिम संस्कार के लिए परेशान होना प?ता है। ऐसे में गांव में अंत्येष्टि स्थल का भी निर्माण कराया जाए। त्रिनेत्र योजना के अंतर्गत गांव में सुरक्षा की दृष्टि से सीसीटीवी कैमरा लगवाए जाएं। ताकि ग्रामीण सुरक्षित रह सकें। गांव में गोशाला का निर्माण कराया जाए जिससे अन्ना पशुओं से किसानों की फसलों की सुरक्षा हो सके। इसी तरह कुठौंदा बुजुर्ग से हरदोई राजा तक संपर्क मार्ग का चौड़ीकरण कराया जाए ताकि लोगों को आवागमन में सुविधा हो सके। ग्रामीणों ने जनहित में समस्याओं के समाधान की मांग की है। वहीं, डीएम ने ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया।

नगर पालिका ने इंडियन बैंक के साथ मिलकर ऑनलाइन कर संग्रहण पोर्टल का किया शुभारंभ

■ कोंच

नगरपालिका ने इंडियन बैंक के साथ मिलकर ऑनलाइन कर संग्रहण पोर्टल का शुभारंभ किया।

पालिका के सद्भाव मंडपम में विधायक मूलचंद्र निरंजन के मुख्य आतिथ्य और पालिकाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, इंडियन बैंक के अंचल प्रमुख संतोष कुमार महाराणा और अग्रणी जिला प्रबंधक जालौन संदीप कुमार सिन्हा के विशिष्ट आतिथ्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अतिथियों ने ऑनलाइन कर संग्रहण पोर्टल का डिजिटल फॉर्म में उद्घाटन किया। इस मौके पर विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री ने भारत को विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है जिसके तहत बहुत सारे काम किए गए हैं। गांव स्तर पर भी ऑनलाइन और डिजिटल को लेकर लोगों को लाभ मिल रहा है। कोंच पालिका की कर संग्रहण प्रणाली को इंडियन बैंक के साथ जोड़ कर पोर्टल की शुरुआत हो रही है,लोगों को इसका लाभ मिलेगा। पालिकाध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी का मकसद भारत को डिजिटल बनाना है। कोंच पालिका को भी डिजिटल बनाया जा रहा है और इंडियन बैंक से पालिका का अनुबंध हुआ है। इस नई शुरुआत के बाद लोगों को ऑनलाइन गृह कर जमा करने में सहूलियत होगी। इंडियन बैंक मुख्य शाखा के प्रबंधक अमित श्रीवास्तव ने आभार जताया। संचालन जॉकी शाहनवाज ने किया। इस दौरान ईओ पवन किशोर मौर्य, मंडी ब्रांच मैनेजर अनुज तिरके, जुगल किशोर, संतोष कुमार खरे, अतुल प्रधान, हरिशंकर निरंजन, सुनील कुमार यादव, लकी दुवे, रघुवीर कुशवाहा, रानी अहिरवार, रविकांत कुशवाहा, अनिल वर्मा, सीमा देवी, अमित उपाध्याय, मयंक मोहन गुप्ता, जितेंद्र निरंजन, विनय गुर्जर, गौरव तिवारी, आजादउद्दीन, जीवन वाल्मीकि, रामकुमार आदि मौजूद रहे।

सेठ बद्रीप्रसाद महाविद्यालय में एक दिवसीय एनएसएस शिविर का हुआ आयोजन

■ कोंच

महेशपुरा रोड स्थित सेठ बद्री प्रसाद महाविद्यालय में एनएसएस इकाई द्वारा एक दिवसीय सामान्य शिविर आयोजित किया गया।

महाविद्यालय के कॉर्डिनेटर कन्हैया नीखर की उपस्थिति में आयोजित शिविर में सर्वप्रथम स्वयंसेवक छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय परिसर की साफ़ सफ़ाई की और वहाँ लगे उपयोगी पेड़ पौधों की क्यारियाँ साफ़ कर पानी डाला। वहीं गोष्ठी में कॉर्डिनेटर ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी स्वयंसेवक अधिक से अधिक लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरुक करें। स्वच्छता से ही बीमारियों को दूर भगाया जा सकता है और मनुष्य निरोगी काया के साथ जीवन जी सकता है। इस मौके पर प्रभारी प्राचार्य बृजेंद्र सिंह और डॉ सरताज खान ने कहा कि एनएसएस समाज सेवा का एक आधार है। सभी स्वयंसेवक अपने कर्तव्य और दायित्व का निर्वहन कर समाज को जागरुक करने का काम करें। स्वयंसेवक बलदाऊ और मोहित ने घर का कूड़ा कचड़ा घर से दूर एक नियत स्थान पर ही एकत्रित करने पर जोर दिया।शिविर का संचालन मनोज श्रीवास्तव ने किया। शिविर में राघवेन्द्र निरंजन, मनोज कुमार, राधेश्याम, संतोष, इशांत, पूनम, रामदेव, सत्य प्रताप, कदीम सिद्दीकी, दिनेश, विवेक, राजकुमार, संजय, संदीप आदि उपस्थित रहे।

सार समाचार

बिना वीजा होगी रूस की यात्रा, वार्ता शुरू

मॉस्को। मॉस्को शहर पर्यटन समिति 'समूह-मुक्त वीजा व्यवस्था' के लिए भारत सरकार के साथ चर्चा कर रही है। यह एक समूह में एक साथ यात्रा करने वाले पर्यटकों की एक निर्दिष्ट संख्या को बिना वीजा रूस में प्रवेश की अनुमति देगी। समिति के अध्यक्ष एवगेनी कोजलोव ने कहा, जब पर्यटकों का एक समूह एक साथ रूस की यात्रा कर रहा हो, तो यात्रा को वीजा मुक्त बनाने के लिए दस्तावेज में विशेष संख्या का जिक्र करना चाहिए।

भारत में सजा काटने के बाद 16 बांग्लादेशी स्वदेश लौटे

ढाका। बांग्लादेश के 16 लोग भारत में दो साल की सजा काटने के बाद स्वदेश लौट आए। घरवापसी करने वाले इन लोगों में 10 लड़के और छह लड़कियां (सभी अवयस्क) हैं। इन लोगों ने कल रात बेनापोल चेकपोस्ट से स्वदेश वापसी की। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार भारत की पेट्रापोल इमिग्रेशन पुलिस ने उन्हें रात करीब साढ़े आठ बजे बांग्लादेश की बेनापोल इमिग्रेशन पुलिस को सौंपा। यह लड़के और लड़कियां राजशाही, दिनाजपुर, ठाकुरगांव और नरैल के रहने वाले हैं। रात को इनके ठहरने की व्यवस्था जशोर में एक गैर-सरकारी संगठन ने की। आज सुबह सभी को उनके परिजनों को सौंप दिया गया।

सरकार को कोई खतरा नहीं, संविधान संशोधन होकर रहेगा

काठमांडू। लगभग साढ़े चार महीने के बाद शुक्रवार को शुरू हुए संसद के शीतकालीन सत्र के पहले दिन सभी दल के प्रमुख नेताओं का संबोधन हुआ। सबसे पहले सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने अपनी सरकार को कोई खतरा नहीं होने की बात कही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टियां उनकी सरकार के खिलाफ षडयंत्र कर रही हैं, लेकिन उनकी सरकार को कोई खतरा नहीं है। प्रधानमंत्री ओली ने कहा कि यह सरकार अपना निश्चित कार्यकाल पूरा करेगी और सत्ता संभालने के 15 महीने पूरा होते ही वो अपने पद से इस्तीफा देकर नेपाली कांग्रेस के सभापति शेरबहादुर देउवा को सत्ता सौंप देंगे।

इटली के कुछ एप स्टोर्स ने डीपसीक को ब्लॉक किया

रोम। इटली के डेटा संरक्षण प्राधिकरण ने चीनी एआई एप्लिकेशन डीपसीक को ब्लॉक कर दिया है। यूजर्स के डाटा की सुरक्षा के मद्देनजर यह फैसला लिया गया है। गैरेंट नाम के इस इतालवी प्राधिकरण ने डीपसीक पर कार्रवाई के बारे में कहा कि डीपसीक ये बताने में असफल रहा कि कौन सा व्यक्तिगत डाटा एकत्रित और संग्रहीत किया जाता है। इसके अलावा यूजर्स को कैसे सूचित किया जाता है, डीपसीक ये बताने में भी नाकाम रहा।

श्रीलंका की इशादी ने मिसेज वर्ल्ड फर्स्ट रनर-अप का खिताब जीता

कोलंबो। श्रीलंका की इशादी अमांडा ने अमेरिका के लास वेगास में आयोजित 40वीं मिसेज वर्ल्ड प्रतियोगिता में फर्स्ट रनर-अप (उप विजेता) का खिताब जीतकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया। इशादी अमांडा ने पिछले महीने कोलंबो में आयोजित मिसेज श्रीलंका का ताज पहनना था। इसकी घोषणा अमेरिका के लास वेगास में स्थानीय समयानुसार आज सुबह की गई। 40वीं मिसेज वर्ल्ड का खिताब दक्षिण अफ्रीका की त्शेगो गेले ने अपने नाम किया।

वैंकूवर इंटरनेशनल बोट शो

वैंकूवर। कनाडा के बीसी प्लेस में वैंकूवर इंटरनेशनल बोट शो शुरू हुआ। वैंकूवर इंटरनेशनल बोट शो में नावों, सहायक उपकरण और अन्य चीज़ों की सबसे बड़ी बिक्री शुरू हुई।

दुनिया भर के हिंदुओं को किया गौरवान्वित

काश पटेल ने लगाया 'जय श्रीकृष्णा' का जयकारा

एजेंसी, वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट में एफबीआई के निदेशक नामित भारतीय मूल के काश पटेल को इस पद के लिए कन्फर्म करने को अमेरिकी सीनेट में सुनवाई चल रही है। इस दौरान उन्होंने अपने माता-पिता का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद उन्होंने "जय श्रीकृष्णा" का जयकारा लगाया। उनका यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। इससे भारत समेत दुनिया भर में बसे हिंदू धर्म के लोग खुद को गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। सुनवाई के दौरान अपने माता-पिता के पैर छूते हुए देखे जाने के बाद काश पटेल को उनके "संस्कार" के लिए सोशल मीडिया पर बहुत प्रशंसा मिल रही है। उन्होंने भारतीय संस्कारों को अपने अंदर जीवंत रखा है। भारतीय मूल के गुजराती माता-पिता की संतान और पेशे से वकील काश पटेल अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कैबिनेट में एफबीआई निदेशक नामित हैं।

सीनेट में पहली बार किसी ने छुआ किसी का पैर: अमेरिकी सीनेट में निश्चित रूप से यह पहली बार है कि कांग्रेस के सुनवाई कक्ष के अंदर किसी ने अपनों को सम्मान देने के लिए किसी के पैर छुए। वीडियो में देखा जा रहा है कि काश पटेल ने सीनेट में प्रवेश करते ही अपने माता-पिता के पैर छूकर आशीर्वाद लेते हैं और जय श्रीकृष्णा कहते हैं। एक अन्य वीडियो में वह लोगों को अपने माता-पिता को इंट्रोड्यूस कराते हुए भी जय श्रीकृष्णा कहते हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय किए गए जीडीपी के 5% रक्षा बजट के लक्ष्य को अपनाने का वादा किया

लिथुआनियाई राष्ट्रपति ने ट्रंप के नाटो रक्षा खर्च लक्ष्य का किया समर्थन

एजेंसी, लिथुआनिया

लिथुआनिया के राष्ट्रपति गितानस नौसेदा ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की बात का समर्थन करते हुए कहा कि, यूक्रेन में युद्ध खत्म करने के लिए की जाने वाली किसी भी बातचीत में कीव की पूरी भागीदारी होनी चाहिए और क्षेत्र के देशों को अपने रक्षा खर्च को बढ़ाना होगा ताकि भविष्य में रूस के आक्रमण को रोका जा सके। लिथुआनिया के राष्ट्रपति ने एसोसिएटेड प्रेस से बातचीत में कहा कि अगर युद्धविराम के बाद उचित सुरक्षा उपाय नहीं किए गए, तो रूस अपनी सेना को फिर से संगठित कर भविष्य में और आक्रमण करने की योजना बना सकता है। उन्होंने कहा, 'अगर युद्धविराम भी हो जाता है, तो यह मान लेना कि रूस चुप बैठ जाएगा, सही नहीं होगा। वे इस मौके का फायदा उठाकर अपनी सेना को और मजबूत करेंगे और फिर से हमला कर सकते हैं। और तब सबसे बड़ा सवाल यह होगा कि अगला निशाना कौन होगा – यूक्रेन? या फिर बाल्टिक देश?'।

रूस का डर और नाटो की भूमिका

लिथुआनिया, जो 1990 तक सोवियत संघ का हिस्सा था, यूक्रेन में जारी युद्ध और अपने पड़ोसी रूस की आक्रामकता को लेकर बहुत चिंतित है। देश की भौगोलिक स्थिति इसे और असुरक्षित बनाती है, क्योंकि यह एक तरफ रूस के कालिनिनग्राद क्षेत्र और दूसरी तरफ बेलारूस से घिरा हुआ है। नौसेदा ने कहा, 'हम इस दुनिया के ऐसे हिस्से में रहते हैं, जहां कभी भी खुद को पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर सकते। हमारे पड़ोस में रूस है, और वह अगले सौ-दो सौ वर्षों तक वहीं रहेगा। इसलिए, हमें हमेशा सतर्क रहना होगा और सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने होंगे।' उन्होंने जोर देकर कहा कि यह केवल किसी एक देश की समस्या नहीं है, बल्कि 'पुतिन की चुनौती पूरे नाटो के लिए है।

यूक्रेन को बातचीत में शामिल करना जरूरी

लिथुआनिया नाटो का पहला सदस्य देश बन गया है जिसने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से तय किए गए जीडीपी के 5% रक्षा बजट के लक्ष्य को अपनाने का वादा किया है। ट्रंप पहले भी नाटो के देशों को अधिक रक्षा खर्च करने के लिए कह चुके हैं और धमकी दी थी कि जो देश तय लक्ष्य को पूरा नहीं करेंगे, उन्हें अमेरिका की सुरक्षा मदद नहीं मिलेगी। हालांकि, लिथुआनिया और कुछ अन्य पूर्वी यूरोपीय देश इस खर्च को जरूरी मान रहे हैं। नौसेदा ने कहा कि यूक्रेन में शांति स्थापित करने के किसी भी प्रयास में कीव को पूरी तरह शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी, 'अगर यूक्रेन के बिना किसी बंद कमरे में शांति समझौता किया जाता है, तो यह पूरी तरह अस्वीकार्य होगा। यूक्रेन ने इस युद्ध में बहुत बड़ी कुर्बानियां दी हैं हजारों लोगों की जान गई है, घर और बुनियादी ढांचा तबाह हो गया है। ऐसे में, यूक्रेन को अपने भविष्य की शांति शर्तें तय करने का पूरा अधिकार है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी यही समझते हैं कोई भी शांति वार्ता यूक्रेन के बिना नहीं हो सकती।

बाल्टिक सागर में हो रहे रहस्यमयी हमले

लिथुआनिया और उसके पड़ोसी देशों के लिए एक और चिंता का विषय है 'बाल्टिक सागर में समुद्र के नीचे बिछी केबलों और गैस पाइपलाइनों पर हो रहे हमले'। अक्तूबर 2023 से अब तक कम से कम 11 समंदर के नीचे की केबल क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं। हाल ही में, लातविया और स्वीडन को जोड़ने वाली फाइबर ऑप्टिक केबल भी टूट गई। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नौसेदा ने कहा, 'अब समय आ गया है कि हम अपनी ताकत दिखाएं।' नाटो ने इस खतरे से निपटने के लिए एक नई 'बाल्टिक सेंट्री' मिशन की शुरुआत की है, जो बाल्टिक सागर में अहम बुनियादी ढांचे की सुरक्षा करेगा।

लिथुआनिया का बढ़ता रक्षा खर्च

लिथुआनिया नाटो के उन देशों में से एक है जो अपनी जीडीपी का सबसे बड़ा हिस्सा रक्षा बजट में खर्च कर रहा है। हालांकि, देश में कुछ लोग इसे लेकर आपत्ति जता रहे हैं। लेकिन नौसेदा का मानना है कि 'हमारा पहला कर्तव्य अपनी रक्षा करना है।' उन्होंने कहा, 'हम नाटो के सहयोग पर भरोसा कर सकते हैं, लेकिन यह सोचना कि कोई और हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेगा, नासमझी होगी। हमें अपनी सुरक्षा खुद सुनिश्चित करनी होगी।

एक बार फिर ब्रिक्स देशों को चेताया

डॉलर का साथ छोड़ा तो लगेगा 100 फीसद टैरिफ: ट्रंप

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर ब्रिक्स देशों को अमेरिकी डॉलर की बजाय दूसरी मुद्रा अपनाने पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी। डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अगर ब्रिक्स देश दूसरी मुद्रा अपनाएंगे तो अमेरिका उनका साथ छोड़ देगा। ट्रंप ने लिखा कि यह विचार है कि ब्रिक्स देश डॉलर से दूर जाने की कोशिश कर रहे हैं। जबकि हम खड़े होकर देखते हैं, खत्म हो चुका है। हमें इन शत्रुतापूर्ण देशों से यह प्रतिबद्धता चाहिए कि वे न तो नई ब्रिक्स मुद्रा बनाएंगे, न ही शक्तिशाली अमेरिकी डॉलर की जगह किसी अन्य मुद्रा का समर्थन करेंगे, अन्यथा उन्हें 100% टैरिफ का सामना करना पड़ेगा। उन्हें शानदार अमेरिकी अर्थव्यवस्था में नई मुद्रा को बेचने की उम्मीद नहीं करनी चाहिए। वे किसी अन्य बेवकूफ देश की तलाश कर सकते हैं। ट्रंप ने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय व्यापार में या कहीं और अमेरिकी डॉलर की जगह ले लेगा। जो भी देश ऐसा करने की कोशिश करेगा, उसे टैरिफ को नमस्ते कहना चाहिए और अमेरिका को अलविदा कहना चाहिए।

पहले भी चेतावनी दे चुके हैं ट्रंप

ट्रंप ब्रिक्स देशों को पहले भी चेतावनी दे चुके हैं। पिछले सप्ताह ओवल ऑफिस में अपने हस्ताक्षर समारोह के दौरान मीडिया से बात करते हुए, राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा था कि अगर ब्रिक्स देश ऐसा करना चाहते हैं, तो ठीक है, लेकिन हम संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ उनके व्यापार पर कम से कम 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने जा रहे हैं। यह कोई धमकी भी नहीं है।

योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे

ट्रंप ने कहा कि उनके बयान को धमकी के रूप में नहीं बल्कि इस मुद्दे पर एक स्पष्ट रुख के रूप में देखा जाना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस मामले में अपने पूर्ववर्ती बाइडन की टिप्पणियों का भी संदर्भ दिया। बाइडन ने संकेत दिया था कि अमेरिका इस मामले में कमजोर स्थिति में है। ट्रंप ने इस पर असहमति जताई और जोर देकर कहा कि अमेरिका का ब्रिक्स देशों पर प्रभाव है और वे अपनी योजनाओं को आगे नहीं बढ़ा पाएंगे।

पुतिन की ओर से डी-डॉलराइजेशन के आह्वान पर ट्रंप का निशाना

2023 में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए 15वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के पूर्ण सत्र के दौरान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने डी-डॉलराइजेशन का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि ब्रिक्स देशों को राष्ट्रीय मुद्राओं में निपटान का विस्तार करना चाहिए और बैंकों के बीच सहयोग बढ़ाना चाहिए। जून 2024 में, ब्रिक्स देशों के विदेश मंत्रियों ने रूस के निजनी नोवगोरोड में मुलाकात की थी और सदस्य देशों के बीच द्विपक्षीय और बहुपक्षीय व्यापार और वित्तीय लेन-देन में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ाने का आह्वान किया था।

विश्व बैंक का बयान

जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए पाक को 350 अरब डॉलर की जरूरत

एजेंसी, इस्लामाबाद

पाकिस्तान हमेशा की तरह आर्थिक तंगी की मार झेल रहा है। इसी बीच विश्व बैंक का एक बड़ा बयान सामने आया है। विश्व बैंक ने कहा कि पाकिस्तान को 2023 से 2030 के बीच जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए 350 बिलियन अमरीकी डॉलर की आवश्यकता है। साथ ही विश्व बैंक ने पाकिस्तान से एक व्यापक जलवायु वित्त रणनीति बनाने का आग्रह किया। मामले में वैश्विक जलवायु जोखिम सूचकांक के अनुसार पाकिस्तान वर्तमान में दुनिया का पाँचवाँ सबसे अधिक जलवायु-संवेदनशील देश है। साथ ही पाकिस्तान दुनिया में सबसे अधिक आपदा जोखिम स्तरों का भी सामना कर रहा है। देखा जाए तो अकेले 2022 में बाढ़ ने पाकिस्तान में 33 मिलियन लोगों को प्रभावित किया और 8 मिलियन लोगों को विस्थापित किया। साथ ही रिपोर्ट में बताया गया कि बाढ़ के चलते पाकिस्तान को अनुमानतः 3.2 ट्रिलियन रुपये का नुकसान हुआ। बता दें कि पाकिस्तान 2024 के सूचना जोखिम सूचकांक के अनुसार 194 देशों में से 23वें स्थान पर स्थान पर है।

विश्व बैंक का अनुमान: वहीं विश्व बैंक की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि पाकिस्तान को 2023 से 2030 के बीच जलवायु परिवर्तन और विकास के मुद्दों से निपटने के लिए 348 बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश चाहिए।

रूस ने यूक्रेन पर रात में दागे 80 से अधिक ड्रोन, चार की मौत

मॉस्को। पिछले करीब तीन साल से जारी रूस-यूक्रेन के बीच संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस बीच रात में रूस ने एक बार फिर यूक्रेन पर हमला किया। अधिकारियों ने बताया कि रूसी ड्रोन ने पूर्वोत्तर यूक्रेन में एक अपार्टमेंट बिल्डिंग में विस्फोट किया, जिसमें कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में नौ लोग घायल भी हुए। सुमी क्षेत्रीय प्रशासन ने बताया कि शाहेद ड्रोन ने रात के एक बजे के बाद प्रमुख शहर सुमी के अपार्टमेंट ब्लॉक में एक दीवार और खिलड़कियां उड़ा दी। मलबे से चार लोगों को बचाया गया। घायलों में एक बच्चा भी शामिल है। इसके अलावा मलबे से 120 लोगों को बाहर निकाला गया।

67 लोगों में से अधिकांश के शव मलबे में दबे होने की संभावना

अमेरिका में दुर्घटनाग्रस्त यात्री विमान का ब्लैक बॉक्स मिला, परीक्षण शुरू

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन डीसी में बुधवार रात आसमान में टकरा कर पोटोमैक नदी में गिरे यात्री विमान और सैन्य हेलीकॉप्टर में से विमान के ब्लैक बॉक्स को खोजने में सफलता मिल गई है। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) ने इसकी पुष्टि की। सीएनएन की खबर के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त अमेरिकन एयरलाइंस के विमान (पीएसए एयरलाइंस बॉम्बार्डियर सीआरजे700 क्षेत्रीय जेट) से ब्लैक बॉक्स यानी फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस

रिकॉर्डर को बरामद कर लिया गया है। ब्लैक बॉक्स को राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड प्रयोगशाला में ले जाया गया। सैन्य हेलीकॉप्टर (सिकोरस्की एच-60) के ब्लैक बॉक्स की तलाश की जा रही है। बताया गया है कि बाल्टीमोर जिले के अमेरिकी सेना कोर ऑफ इंजीनियर्स की मदद से पोटोमैक नदी में गिरे विमान और हेलीकॉप्टर का मलबा हटाने का काम बेहद सावधानी से किया जा रहा है। विमान और हेलीकॉप्टर के 67 लोगों में से अधिकांश के शव मलबे में दबे होने की संभावना है। इस हादसे पर नेशनल एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स एसोसिएशन ने गहरा दुख जताया है। एसोसिएशन ने कहा कि दुख की घड़ी में यही कहा जा सकता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका विमानन सुरक्षा के मानक सर्वोच्च है। संगठन जान गंवाने वाले 67 लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करने में सभी अमेरिकियों के साथ है। जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

ऑफर चीनी कंपनी ने बोनस के लिए कर्मचारियों को दिया 70 करोड़ का ऑफर

15 मिनट में जितने नोट गिन पाओ, उतने बोनस के तौर पर घर ले जाओ

एजेंसी, बीजिंग

एक चीनी कंपनी ने अपने कर्मियों को सालाना बोनस के लिए कथित तौर पर 11 मिलियन डॉलर (करीब 70 करोड़ रुपये) का ऑफर दिया। हालांकि कंपनी ने इस ऑफर के साथ कर्मियों के सामने एक अजीब-सी शर्त रख दी। कंपनी ने शर्त में कहा कि जितना गिन सको, उतना बोनस ले जाओ। दरअसल, चीन के हेनन माइनिंग क्रेन को. लिमिटेड कंपनी ने अपने कर्मियों के सामने एक लंबे टेबल पर 70 करोड़ रुपये को रख दिए और कर्मियों को उनके

सालाना बोनस को बढ़ाने के लिए 15 मिनट का समय दिया। चीनी कंपनी ने कर्मियों से शर्त में कहा कि 15 मिनट में जितनी नोट गिन पाओ, उतने बोनस के तौर पर ले जाओ।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ बोनस लेने का वीडियो: कंपनी के कर्मियों का बोनस लेने का यह वीडियो सबसे पहले चीनी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म डुइन और वीबो पर शेयर किया गया। लेकिन इसके बाद यह वीडियो दुनिया भर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छा गया। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक बहुत बड़े टेबल पर नोटों को बिछाया गया है। टेबल की चारों तरफ कंपनी में काम करने वाले लोग खड़े हैं। बताया गया कि इस दौरान कंपनी के एक कर्मचारी ने दिए गए समय में अपने सालाना बोनस के तौर पर 100,000 यूआन (करीब 12.07 लाख रुपये) बटोर लिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शेयर किए गए वीडियो के कैप्शन में लिखा है कि, "हेनेन कंपनी अपने कर्मियों के सालाना बोनस पर मिलियन से ज्यादा खर्च कर रही है। सभी कर्मी जितना गिन सके, उतना बोनस अपने घर ले जा सकते हैं।

सोशल मीडिया पर लोगों ने दी अलग-अलग प्रतिक्रिया

कंपनी के इस वीडियो के सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों ने अपने अलग-अलग रिएक्शन्स दिए। कुछ लोग इसे देखकर हैरान हुए तो कुछ ने इसकी आलोचना भी की। वहीं, कुछ यूजर्स ने कंपनी के बोनस देने के इस तरीके पर भी सवाल उठाए हैं। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने लिखा, "यह वास्तव में प्रेरणा देने वाला और ग्रैंड है। दूसरे यूजर ने लिखा, "मैं इसी तरह का पेपरवर्क करना चाहता हूं, लेकिन कंपनी का प्लान कुछ और ही है। तीसरे यूजर ने कहा, "इस सर्कस के कारनामे की जगह कंपनी बोनस को सीधे कर्मियों के अकाउंट में क्रेडिट कर सकती थी। यह बहुत ही शर्मनाक है।

कंपनी पहले भी दे चुकी है इस तरह के बोनस: यह पहली बार नहीं है जब हेनन माइनिंग क्रेन को अपने कर्मियों को बोनस देने के लिए चर्चा में आई है। साल 2023 में भी कंपनी ने एनुअल डिनर के दौरान बड़े पैमाने पर कैश बांटे थे।

माली में सोने की खदान में हादसा भूस्खलन से कई खनिकों की मौत

एजेंसी, माली

दक्षिणी माली में एक सोने की खदान में हुए भूस्खलन से कई खनिकों के मारे जाने की आशंका है। यह हादसा बुधवार को हुआ। माली के कोलीकोरो क्षेत्र के गवर्नर कार्यालय ने बृहस्पतिवार को इस बारे में जानकारी दी। हादसे में ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं, जो सोने की खुदाई कर रही थीं। गवर्नर कर्नल लामिन कापोरी सानोगो ने माली के राष्ट्रीय टेलीविजन पर एक बयान में बताया कि खदान में सोना निकालने के लिए खुदाई के दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं खदान में काम कर रही थीं। तभी खदान के चारों ओर बने बांध का एक हिस्सा टूट गया और उसके साथ

पानी और कीचड़ अंदर आ गया, जिसने महिलाओं को अपनी चपेट में ले लिया। गवर्नर कार्यालय ने इस हादसे में कई खनिकों के मारे जाने की पुष्टि की है, लेकिन अभी तक मृतकों की संख्या का खुलासा नहीं किया गया है। दक्षिणी माली के इस खदान क्षेत्र में यह हादसा माइनिंग गतिविधियों के दौरान हुआ, जो खनिकों के लिए खतरनाक साबित हुआ। इस घटना के बाद बचाव कार्य जारी है।

संपादकीय

आर्थिक सर्वे में सपना

बजट से पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को आर्थिक सर्वे पेश किया। इसके अनुसार 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। वहीं रिटेल महंगाई अप्रैल-दिसंबर 2024 में 4.9 प्रतिशत हो गई। आर्थिक सर्वे में कहा गया है कि 2047 तक भारत को विकसित भारत बनाने के लिए अगले एक से दो दशक तक 8 प्रतिशत के दर से आर्थिक विकास करना होगा। इकोनॉमिक सर्वे क्या होता है? आर्थिक सर्वे का मतलब यह होता है कि साल खत्म होने के देश के हालात क्या हैं? कितना कमाया, कितना और कहां खर्च किया? कितनी बचत की? इसी आधार पर अगले साल की आर्थिक नीतियां बनाई जाती हैं। लेकिन सरकार कभी यह नहीं बतातीं कि कहां से कमाई की और कहां खर्च किया। बचत का भी कोई हिसाब नहीं दिया जाता है। जो सरकार कह दे, वही मानना पड़ता है। इसलिए आर्थिक सर्वे का आम आदमी से कुछ लेना देना होता नहीं है। सरकार आर्थिक सर्वे को पेश करने और इसमें दिए गए सुझावों या सिफारिशों को मानने के लिए बाध्य नहीं है। अगर सरकार चाहे तो इसमें दिए सारे सुझावों को खारिज कर सकती है। फिर भी इसकी अहमियत है, क्योंकि इससे बीते साल की अर्थव्यवस्था का लेखा-जोखा पता चलता है। जहां तक बचत की बात है, हमारा विदेशी मुद्रा भंडार लगतार कम होता जा रहा है। देश पर कर्ज बढ़ गया है। कर्ज क्यों बढ़ा, इसे कैसे अदा किया जाएगा, यह भी नहीं बताया जाता। वर्तमान में अर्थव्यवस्था के जो हालात हैं, उनसे क्या यह लगता है कि आगामी एक से दो दशक तक आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक विकास हो सकेगा? वित्त मंत्री यह भी बता देतीं कि यह कैसे होगा, ज्यादा अच्छा रहता। ट्रंप की 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति के चलते क्या भारत विकास कर सकेगा? आर्थिक सर्वे में यह भी कहा गया है कि देश को 100 प्रतिशत साक्षरता दर प्राप्त करने के साथ ही उच्च स्तरीय वाली शिक्षा देनी होगी। शिक्षण संस्थानों के स्तर को सुधारना, व्यावसायिक शिक्षा को बढ़ावा देना और नई तकनीकों जैसे एआई बोटिक्स और बायो टेक्नोलॉजी में निवेश करना जरूरी होगा। देखना होगा कि सरकार यह सब कैसे करती है? कहने और करने में बहुत अंतर है। बेरोलगारी से जूझते युवाओं को रोजगार देने की जरूरत है। आम आदमी आय कम हुई है। महंगाई बहुत ज्यादा बढ़ी है। 1947 तक विकसित भारत का सपना, महज सपना रह सकता है।

वर्तमान में अर्थव्यवस्था के जो हालात हैं, उनसे क्या यह लगता है कि आगामी एक से दो दशक तक आठ प्रतिशत की दर से आर्थिक विकास हो सकेगा?

पाठकवाणी

आम श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी

महाकुंभ मेला अपार जन मेदनी का पर्याय बन चुका है। लगातार बढ़ती भीड़ के मद्देनजर श्रद्धालुओं की सुविधा को प्राथमिकता देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अमृत स्नान और प्रमुख स्नान पर्वों पर वीआईपी व वीवीआईपी प्रोटोकॉल पर रोक लगा दी है। हालांकि अगर यह रोक पहले ही लगी होती तो ऐसे हालात नहीं बनते, जैसे बन गए हैं। नए सर्कुलर के अनुसार विशेष तिथियों और उनके एक दिन पूर्व व बाद में विशिष्ट व्यक्तियों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इसका उद्देश्य आम श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की असुविधा से बचाव के साथ ही उन्हें सुगमता से दर्शन और स्नान का अवसर देना है। बसंत पंचमी, माघी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि जैसे स्नान पर्वों पर भी यह प्रतिबंध लागू रहेगा। निश्चित रूप से सरकार का यह निर्णय उचित है क्योंकि इससे मेला क्षेत्र में भीड़ प्रबंधन बेहतर होगा और आमजन बिना किसी परेशानी के निर्बाध रूप से धार्मिक अनुष्ठान, पूजन कर सकेंगे। धार्मिक आयोजनों में वीआईपी कल्चर नहीं होना चाहिए। इससे अव्यवस्था फैलती है। सरकार का यह कदम श्रद्धालुओं की भीड़ उनकी आस्था और सुविधा को ध्यान में रखते हुए उठाया गया है जो एक महत्वपूर्ण निर्णय है। अब लोगों को बगैर हाय-तौबा और धक्का मुक्की के महाकुंभ का लाभ उठाना चाहिए।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर मप्र

कुछ खास

मोदी सरकार, राष्ट्रपति से भाजपा का पर्चा पढ़वा रही है। विगत वर्षों में भी राष्ट्रपति जी के अभिभाषण में यह पुनरावृति देखने को मिली है। 10 वर्ष कार्यकाल में मोदी सरकार ने छोटी से छोटी योजना को भी ऐसे बढ़ा-चढ़ाकर बताया है जैसे कितना बड़ा तीर मार लिया हो।

-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

आज का ट्वीट

''बागेश्वर बाबा बोल रहा है कि गंगा के किनारे भगदड़ में कुचल कर मारे गए लोगों को मोक्ष मिलेगा। अगर ये मोक्ष पाने का तरीका है तो सारे बाबा भगदड़ में क्यों नहीं कूद पड़े?''

-नेहा सिंह राठौर

बजट से बैंकिंग क्षेत्र को अपेक्षाएं

सामयिक

शाहीन सबा

वर्ष 2025 के लिए केंद्रीय बजट, आज पेश किया जाने वाला है, जिसमें आगामी वित्त वर्ष के लिए वैसे प्रावधान किए जाएंगे, जिनकी मदद से विकास को गति दी जा सके। साथ ही वंचित तबकों और किसानों की बेहतरी के लिए समुचित उपाय किया जा सके। देश के विकास को सुनिश्चित करने में विनिर्माण, निर्माण, शिक्षा, स्वास्थ, सड़क, रेल आदि क्षेत्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है, लेकिन बैंकों की भूमिका इन सभी क्षेत्रों से ज्यादा महत्वपूर्ण रही है और ये इन सभी क्षेत्रों के विकास की दशा और दिशा को तय कर रहे हैं। बजट को उद्देश्यपरक और कारगर बनाने के लिए सभी महत्वपूर्ण हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं, जिसमें बैंक भी शामिल हैं। आजादी के बाद से ही देश को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में बैंक अहम भूमिका निभा रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि सरकार को बैंकों को सशक्त बनाने वाले प्रावधान बजट में करने चाहिए। जब बैंक मजबूत होंगे, तभी ये देश को भी आर्थिक रूप से सबल बना सकेंगे।

आज बैंकों के समक्ष सबसे बड़ी समस्या सस्ती पूंजी की कमी की है। मोटे तौर पर बैंक का काम ग्राहकों से जमा लेना और उसी जमा को जरूरतमंदों और कारोबारियों के बीच ऋण के रूप में वितरित करना है। बैंक जमा पर कम ब्याज देते हैं और ऋण पर ज्यादा ब्याज लेते हैं। ब्याज दरों में अंतर से ही बैंक मुनाफा कमाता है। मौजूदा समय में बचत, आवृति और सावधि जमा पर अर्जित ब्याज पर सरकार टैक्स वसूल रही है। बैंकों ने भी अपनी कमाई बढ़ाने के लिए जमा को म्यूच्यूअल फंड और बीमा में निवेश किया है। इधर, कुछ सालों से अर्थव्यवस्था के मजबूत रहने से शेयर बाजार का सेंसेक्स लगातार ऊपर जा रहा है और लोगों को शेयर बाजार व म्यूच्यूअलफंड में निवेश पर बेहतर प्रतिफल मिल रहा है। ऐसी स्थिति में घरेलू निवेशक बैंक में निवेश करने से परहेज कर रहे हैं।

मौजूदा समय में बैंक, जमा के संकट का सामना कर रहे हैं। बैंकिंग सुविधाओं के डिजिटल हो जाने के बाद, ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं में बहुत तेजी है, जिससे निवेशकों का बैंकों पर से भरोसा कम हुआ है। बैंकों के वसूली तंत्र की कमजोरी के कारण भी एनपीए में अपेक्षित कमी नहीं आई है।

जमा की किल्लत की वजह से बैंकों को ऋण देने के लिए बाजार से अधिक ब्याज पर पूंजी उठानी पड़ रही है और बाजार में तरलता का संकट पैदा होने का खतरा उत्पन्न हो गया है। उधारी के उठाव में कमी आने से आर्थिक गतिविधियों में कमी दर्ज की गई है और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में उल्लेखनीय कमी आई है। लिहाजा, व्यक्तिगत बचत को प्रोत्साहित करने के लिए बचत, आवृति एवं सावधि जमा पर अर्जित ब्याज को कर मुक्त बनाने की जरूरत है। अभी इन पर अर्जित ब्याज को आय मानकर उन पर कर लगाया जा रहा है। साथ ही, आयकर अधिनियम की धारा 80सी के तहत सभी बैंक जमा पर कर की छूट भी देनी चाहिए। जमा को प्रोत्साहित करने के लिए गारंटी कृत रिटर्न के साथ सरकार द्वारा समर्थित बचत योजनाओं को ग्रामीण क्षेत्रों में शुरू करना चाहिए, क्योंकि ग्रामीण अभी भी शेयर बाजार और म्यूच्यूअलफंडमें निवेश करने से बचते हैं। इस क्रम में बचत को प्रोत्साहित करने के लिए महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों और किसानों द्वारा जमा राशि पर कर मुक्त ब्याज देने की व्यवस्था करनी चाहिए।

नागरिकों को बचत और औपचारिक बैंकिंग चैनलों का उपयोग करने के महत्व के बारे में शिक्षित करने के लिए सरकार समर्थित जागरूकता अभियान भी चलाने की जरूरत है। इससे भी बैंक जमा में वृद्धि हो सकती है। सरकार को आकर्षक दीर्घ-अवधि सरकारी बचत बॉन्ड बैंकों के माध्यम से बेचना चाहिए, ताकि बैंक की जमा में वृद्धि हो और सार्वजनिक क्षेत्र की उधारी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिल सके। सरकार को ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं को रोकने के लिए पुख्ता कानून बनाने की जरूरत है, क्योंकि साइबर अपराध की आवृति बढ़ने से भी आमजन बैंकों में जमा रखने से परहेज कर रहे हैं। सहकारी बैंकों के यदा-कदा डूबने से ग्राहकों के मन में डर बना हुआ रहता है। पैसे सुरक्षित रहेंगे का उन्हें भरोसा देने के लिए जमा बीमा सीमा को 5 लाख रुपए से बढ़ाकर 10 लाख रुपए करने की आवश्यकता है। बैंक के विफल होने की स्थिति में जमा बीमा दावों की प्रक्रिया को और सरल बनाना चाहिए। इससे भी जमा को बढ़ावा मिल सकता है।

सरकार को प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) जैसी योजनाओं के विस्तार हेतु एक सशक्त रूपरेखा बनानी चाहिए। आमजन द्वारा अधिक से अधिक बचत खाते खोलने से वितीय समावेशन की संकल्पना साकार हो सकती है। बैंक से जुड़ने पर सरकारी योजनाओं का लाभ वंचित तबकों को मिल सकेगा और वितीय रूप से उन्हें साक्षर बनाया जा सकेगा, जिससे उनके आत्मनिर्भर बनने की संभावना बढ़ेगी। इससे देश के डिजिटलीकरण अभियान को भी बल मिलेगा, फसल बीमा, कृषि ऋण आदि की सुविधाएं भी उन्हें मिल सकेंगी।

बैंकों के गैर निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) में विगत वर्षों में उल्लेखनीय कमी आई है। फिर भी, सर्फेसी, बैंक अदालत आदि वसूली तंत्रों को और भी मजबूत बनाने की जरूरत है। इसके बरक्स कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की स्थापना की गई थी, ताकि बड़ी चूककर्ता कंपनियों से एनपीए की वसूली की जा सके, लेकिन इसका प्रदर्शन भी अपेक्षित नहीं रहा है। निर्णय तक पहुंचने में अत्यधिक देरी और समझौता राशि का मूल राशि से 15 से 25 प्रतिशत होना इसकी सफलता पर सवाल खड़ा करता है। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के पश्चात बैंक कर्मचारियों को दिए जाने वाले लाभों पर टीडीएस (स्रोत पर कर कटौती) जनवरी 2025 से शुरू की जाने वाली है। कुछ बैंकों ने फिलहाल इस भार को खुद वहन किया है तो कुछ ने नहीं। सरकार द्वारा मामले में हस्तक्षेप करने की जरूरत है।

इस हानि की भरपाई आयकर दाताओं की संख्या को बढ़ा कर किया जा सकता है या फिर बैंक कर्मचारियों को इस नुकसान की जगह प्रदर्शन-आधारित बोनस या वैसी प्रतिपूर्ति, जिसमें कर की छूट है या फिर वेतन में नकद घटकों को बढ़ाने जैसे विकल्प दे सकते हैं। माना जा रहा है कि इस प्रावधान से बैंक कर्मियों का प्रदर्शन नकारात्मक रूप से प्रभावित हो सकता है, क्योंकि बैंककर्मी तनाव भरे माहौल में काम करते हैं। लाभों में कमी आने से उनका मनोबल कम हो सकता है और बैंकों के लाभ में कमी आ सकती है, जिसका आंशिक प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ सकता है।

कहा जा सकता है कि हाल के कुछ वर्षों में बैंकिंग क्षेत्र के प्रदर्शन में बेहतरी आई है और एनपीए में भी उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। हालांकि, मौजूदा समय में बैंक, जमा के संकट का सामना कर रहा है। बैंकिंग सुविधाओं के डिजिटल हो जाने के बाद, ऑनलाइन धोखाधड़ी की घटनाओं में बहुत तेजी है, जिससे निवेशकों का बैंकों पर से भरोसा कम हुआ है। बैंकों के वसूली तंत्र की कमजोरी के कारण भी एनपीए में अपेक्षित कमी नहीं आई है। इधर, बैंक कर्मचारियों को दिए जाने वाले लाभों पर टीडीएस की कटौती से उनके मनोबल में कमी दर्ज की गई है, जिससे बैंक के प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ने की संभावना बढ़ी है। अस्तु, इन समस्याओं का समाधान करने वाले प्रावधान बजट में करने की जरूरत है।

पूर्ण बजट 1 फरवरी 2025 @ मध्यमवर्ग किसान,महिला,बुजुर्गों युवाओं की बल्ले बल्ले

नया आयकर कानून (डायरेक्ट टैक्स कोड बिल 2025) लाने की घोषणा-पुराना टैक्स रिजीम समाप्ति की ओर

पूर्ण बजट 2025 में मध्यम वर्ग महिला किसान युवा बुजुर्गों सभी को छप्पर फाड़ उम्मीद से अधिक मिला- एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ की नजरें भारत द्वारा आज 1 फरवरी 2025 को पेश किए गए 1 घंटा 17 मिनट्स के पूर्ण बजट पर लगी हुई थीक्योंकि पूरी दुनियाँ में आज भारत एक बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में चिन्हित हो चुका है व अपने विजन 2047 के रणनीतिक रोडमैप के सटीक कदम बढ़ाते जा रहा है,इसलिए अब जरूरी हो गया है कि हमें आर्थिक विकास दर कम से कम एक दशक तक 8 पेर्सेंट की दर से बनाए रखना है, इसलिए हर साल बजट पर ध्यान देना जरूरी हो गया है,चूँकि यूनियन बजट या आम बजट सरकार के खर्च और कमाई का पूरा लेखा-जोखा है।जिस तरह से हम अपने घर का बजट बनाते हैं कि कितनीइनकम होगी और कितना खर्च होगा और अंत में बचत कितनी होगी। साधारण भाषा में कहा जा सकता है कि बजट आमदनी और खर्च का हिसाब- किताब है। सरकार और एक आम आदमी के बजट में बेहद मामूली फर्क होता है। आम आदमी सिर्फ अपने घर का बजट बनाता है, जबकि सरकार को पूरे देश का बजट बनाना पड़ता है।11.01 मिनट पर सीतारमण ने बजट भाषण शुरू किया। आज दिनांक 1 फरवरी 2024 सुबह 11 बजे 1 घंटा 17 मिनट के बजट भाषण के दौरान उन्होंने 5 बार 11.24 बजे, 11.27 बजे, 11.44 बजे, 11.56 बजे और 12.16 बजे पानी पिया।बजट 2025 में महिलाओं किसानों युवाओं बुजुर्गों को छप्पर फाड़ तोहफे दिए गए हैं।निर्मला सीतारमण के बजट में इनकम टैक्स पेयर्स को बड़ी राहत मिली है। अब नौकरीपेशा लोगों को नई टैक्स रिजीम के तहत 12 लाख तक की सालान इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होगा। वहीं अब पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न एकसाथ फाइल कर सकेंगे। सीनियर सिटीजंस के लिए टीडीएस की सीमा 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख कर दी गई है। वित्त मंत्री ने कहा-यह बजट विकास पर फोकस है।यह बजट सरकार की विकास को बढ़ाने, सभी के डेवलपमेंट, मिडिल क्लास की क्षमता को बढ़ाने के लिए समर्पित है। हमने इस सदी के 25 साल पूरा करने जा रहे हैं। हमारी विकसित भारत की उम्मीदों ने हमें प्रेरणा दी है।हमारी अर्थव्यवस्था सभी बड़ी इकोनमी में सबसे ज्यादा तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था है।लोकसभा की कार्यवाही की शुरू होते ही विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया।कई सांसद नारेबाजी करते दिखे।जयराम नरेश बोले- टैक्स टेररिज्म खत्म हो।चूँकि पूर्ण बजट 2025 में मध्यम वर्ग महिला किसान युवा बुजुर्गों सभी को छप्पर फाड़ उम्मीद से अधिक मिला।नया आयकर कानून (डायरेक्ट टैक्स कोड बिल 2025) लाने की घोषणा-पुराना टैक्स रिजीम समाप्ति की ओर इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, पूर्ण बजट 1 फरवरी 2025 @ मध्यम वर्ग,किसान महिला बुजुर्गों, युवाओं की बल्ले बल्ले।

साथियों बात अगर हम 1 फरवरी 2025 को केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित बजट में बड़े एलानो की करें तो बजट में बड़े ऐलान (1) न्यू इनकम टैक्स बिल अगले हफ्ते लाया जाएगा।इन डायरेक्ट टैक्स रिफॉर्म को बाद में बताएंगे। (2) मिडिल क्लास को छप्पर फाड़ के फायदा 12 लाख तक कोई टैक्स नहीं (3) कैंसर की दवाएं सस्ती होंगी, (4)पिछले 4 साल का आईटी रिटर्न एकसाथ फाइल कर सकेंगे। (5) अगले 6 साल मसूर, तुअर जैसी दालों की पैदावार बढ़ाने के लिए फोकस। (6) कपास की पैदावार बढ़ाने के लिए 5 साल का मिशन, इससे देश का कपड़ा उद्योग मजबूत बनेगा। (7) किसान क्रेडिट कार्ड पर कर्ज की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख होगी।(9) बिहार में मखाना बोर्ड बनेगा, इससे छोटे किसानों और व्यापारियों को फायदा। (10) छोटे उद्योगों को विशेष क्रेडिट कार्ड, पहले साल 10 लाख कार्ड जारी होंगे।(11) एमएसएमई के लिए लोन गारंटी कवर 5 करोड़ सेबढ़ाकर (12) करोड़, 1.5 लाख करोड़ तक का कर्ज मिलेगा (13) स्टार्टअप के लिए लोन 10 करोड़ से बढ़ाकर 20 करोड़ रुपए किया जाएगा। गारंटी फीस में भी कमी होगी। (14) खिलौना उद्योग के लिए मेक इन इंडिया के तहत विशेष योजना शुरू की जाएगी। (15) 23 आईआईटी में 1.35 लाख स्टूडेंट्स मौजूद - आईआई टी पटना का विस्तार होगा। (16) एक्सीलेंस फॉर आर्टिफिशियल फॉर एआई के लिए 500 करोड़ रुपए का ऐलान। (17) मेडिकल एजुकेशन में अगले 5 साल में 75 हजार सीटें बढ़ाने का ऐलान।

साथियों बात कर हम बजट मध्यम वर्ग के लिए 13 बड़े ऐलानों की करें तो, मध्यम वर्ग के लिए 13 ऐलान,किराया आमदनी पर टीडीएस छूट 6 लाख रुपए (1) अब 12 लाख की कमाई पर कोई टैक्स नहीं। नौकरीपेशा लोगों के लिए 75 हजार स्टैंडर्ड डिक्शन के साथ टैक्स लिमिट 12.75 लाख। (2)बुजुर्गों के लिए टैक्स छूट डबल की गई (3)टीडीएस की सीमा 10 लाख रुपए की गई। (4) 4 साल तक अपडेटेड आईटीआर भर सकेंगे। (5) किराया आमदनी परटीडीएस छूट 6 लाख रुपए की गई। (6) मोबाइल फोन और ई-कार सस्ती होंगी। (7) ईवीं और मोबाइल की लीथियम आयन बैटरी सस्ती होगी। (8) एलईडी-एलसीडी टीवी सस्ती होंगी। कस्टम ड्यूटी घटाकर 2.5 पेर्सेंट की गई।(9) देश में अगले हफ्ते नया इनकम टैक्स बिल लाया जाएगा। (10)1 लाख करोड़ रुपए का अर्बन चैलेंज फंड बनेगा। (11) शहरी क्षेत्र के गरीबों की आय बढ़ाने की योजना आएगी। (12) एक लाख अधूरे घर पूरे होंगे, 2025 में 40 हजार नए मकान हैंडओवर किए जाएंगे।(13) हर घर नल से जल पहुंचाने जल जीवन मिशन कार्यक्रम 2028 तक बढ़ेगा।

साथियों बात अगर हम बजट में बुजुर्गों और महिला उद्यमियों के लिए ऐलानों की करें तो, महिलाओं के लिए 3 ऐलानः (1) पहली बार उद्यमी को दो करोड़ का टर्म लोन(2)एससी - एसटी की एमएसएमई महिला उद्यमियों के लिए विशेष लोन योजना। (3) पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं को दो करोड़ का टर्म लोन मिलेगा। बुजुर्ग के लिए 6 ऐलानः सीनियर सिटिजंस के लिए टैक्स छूट दोगुनी (1) सीनियर सिटिजंस के लिए टैक्स छूट दोगुनी, 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपए। (2) 36 जीवन रक्षक दवाएं पूरी तरह से टैक्स फ्री। (3) देश में 200 डे-केयर कैसर सेंटर बनेंगे। (4) मेडिकल उपकरण और कैंसर की दवाएं सस्ती होंगीं। (5) 6 जीवन रक्षक दवाओं पर कस्टम ड्यूटी 5 पेर्सेंट घटाई। (6) 13 मरीज सहायता कार्यक्रम बेसिक कस्टम ड्यूटी से बाहर।

साथियों बता ग्राम किसानों के लिए बजट में 11 यूएनओ की करें तो किसान के लिए 12 ऐलानः (1) किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए (2) किसान क्रेडिट कार्ड की लिमिट 3 लाख से बढ़ाकर 5 लाख रुपए हुई। (3) देश में पीएम धन-धान्य कृषि योजना शुरू होगी।100 जिलों को फायदा होगा। (4) डेयरी और मछली पालन के लिए 5 लाख रुपए तक का लोन। (5) समुद्री उत्पाद सस्ते होंगे, कस्टम ड्यूटी 30% से घटाकर 5 पेर्सेंट की गई। (6)अंडमान, निकोबार और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने को बढ़ावा मिलेगा। (7) बिहार के किसानों की मदद के लिए मखाना बोर्ड का गठन होगा। (8) मिथिलांचल में पश्चिमी कोसी नहर परियोजना शुरू होगी। 50 हजार हेक्टेयर क्षेत्र के किसानों को फायदा। (9) दालों में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए 6 साल का मिशन। (10) पोस्ट पेमेंट बैंक पेमेंट सर्विस ग्रामीण योजनाओं में बढ़ाई जाएगी। (11) कपास उत्पादन के लिए 5 साल की कार्ययोजना। प्रोडक्शन-मार्केटिंग पर फोकस।(12) असम के नामरूप में नया यूरिया प्लांट लगेगा।

साथियों बात अगर हम न्यू टैक्स रिज्यूम नौकरी पेशा वालोंयुवाओं व अन्य एलेनु की करें तो, नौकरीपेशा की 12.75 लाख तक की इनकम टैक्स फ्री, निचले सभी स्लैब का टैक्स सरकार माफ करेगी, इनकम टैक्स पेयर्स को बड़ी राहत मिली है। अब नौकरीपेशा लोगों को नई टैक्स रिजीम के तहत 12.75 लाख तक की सालाना इनकम पर कोई टैक्स नहीं देना होगाइनकम टैक्स की नई रिजीम में 4 लाख रुपए तक की इनकम पर टैक्स नहीं लगेगा। वहीं 4 से 8 लाख रुपए के स्लैब पर 5 पेर्सेंट और 8 से 12 लाख रुपए की इनकम पर लगने वाला 10 पेर्सेंट टैक्स सरकार 87 ए के तहत माफ कर देगी। इसके अलावा 75 हजार रुपए का स्टैंडर्ड डिडक्शन भी मिलेगा। इस तरह नौकरीपेशा लोगों की कुल 12.75 लाख रुपए की आय टैक्स फ्री हो जाएगी।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि पूर्ण बजट 1 फरवरी 2025 @ मध्यम वर्ग,किसान,महिला बुजुर्गों युवाओं की बल्ले बल्ले।नया आयकर कानून (टैक्स कोड बिल 2025) लाने की घोषणा- पुराना टैक्स रिजीम समाप्ति की ओर।पूर्ण बजट 2025 में मध्यम वर्ग महिला किसान युवा बुजुर्गों सभी को छप्पर फाड़ उम्मीद से अधिक मिला।

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

तीखी नजर

हम आपके हैं कौन

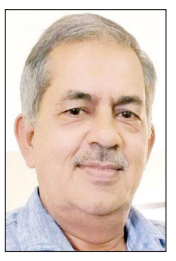

सुधाकर आशावादी

कोई अपने दुःख से दुखी नहीं है। दूसरों का सुख किसी से बर्दाश्त नहीं हो पा रहा है। ऐसे में कोई सुखी रहे भी तो कैसे? सो हर कोई दुखी है। जो दुखी नहीं है, वह दुःख ओढ़ने का प्रयास कर रहा है। आम आदमी के भीतर का आदमी जैसे असामाजिक हो चुका है। उसे समाज से अब कोई सरोकार नहीं रह गया है। किसी भी लाभ के पद पर बैठा आदमी समाज की भलाई की जगह केवल अपनी भलाई तक सीमित रह गया है। उसकी हर कहानी उस से शुरू होती है और उसी पर समाप्त हो जाती है, ऐसे में भला समाज बीच में कहां से अपनी जगह बनाए। अपने एक मित्र हैं, जब तक सरकारी ओहदे पर रहे, तब तक उन्होंने अपने निकट सम्बन्धियों तक को न पहचाना, जब से वे सेवानिवृत्त हुए हैं, खोज खोज कर रिश्ते निकाल रहे हैं। परिवार और समाज के लाभ गिना रहे हैं, मगर रिश्तेदार और समाज के लोग अब उन्हें पहचानने से इंकार कर देते हैं तथा एक ही सवाल पूछते हैं, कि आप हमारे हैं कौन? इस प्रश्न का उत्तर मित्र महोदय के पास ढूंढने से भी नहीं मिलता।

ऐसे एक नहीं अनेक उदाहरण है, कि जब व्यक्ति अधिकार संपन्न होता है, तब उसे अपने इर्द गिर्द घूमते हुए अधीनस्थों, नाते रिश्तेदारों, समाज के प्रमुख लोगों से बात करने में भी अपना अहम याद रहता है। खैर यही स्थिति उन राजनेताओं की भी है, जो सत्ता मद में अपने समर्थकों की अवहेलना करने लगते हैं। वे यह समझने लगते हैं कि उनका और उनके समर्थकों का नाता सिर्फ चुनाव जीतने तक है। चुनाव जीतने के बाद वे अपने मतदाताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त करने तक नहीं जाते। मुसीबत तब आती है, जब उन्हें पुनः पुराने क्षेत्र से ही प्रत्याशी बनाया जाता है और उन्हें पुनः उन्हीं मतदाताओं के पास जाना पड़ जाता है, जो उनकी बेवफाई और नजरअंदाज किए जाने से खफा रहते हैं। आज का मतदाता भी पहले से अधिक समझदार है। वह अपनी कीमत बखूबी जानता समझता है। वह सुनता सबकी है और करता अपने मन की है। वह भी मन की बात करता है, जब ऐसा कृतघ्न व्यक्ति उनके पास आता है, तब वह भी अपने मन की भड़ास निकाल कर खूब खरी खोटी सुनाता है।

चुनाव प्रचार के समय ऐसे अनेक किस्से प्रकाश में आते हैं, जब वोटों के लिए हाथ पसारने वाले मुंह की खाकर वापस लौटने के लिए विवश हो जाते हैं। उनकी दयनीय दशा किसी से छिपी नहीं रहती। हर हाथ में मोबाइल और हर बंदा यूट्यूबर के दौर में उसकी ऐसी फजीहत होती है, कि वह स्पष्टीकरण देते देते थक जाता है। उसके अपने ही कथन और क्रियाकलाप उसकी कलई खोलने पर आमादा रहते हैं। वैसे समाज का दस्तूर यही है कि मतलब निकल गया है तो पहचानते नहीं। नेता नुमा आदमी के क्रियाकलापों और कथनी करनी के अंतर को देखकर गिरगिट भी अब मुंह छुपाने लगे हैं। आखिर अपने अस्तित्व को बचाने के लिए उन्हें अपनी विशेषता कायम रखने के लिए कड़े संघर्ष से गुजरना जो पड़ रहा है।

पार्थ माने ने 10 मीटर एयर राइफल में जीता स्वर्ण

देहरादून

विश्व जूनियर चैंपियन पार्थ माने ने 38वें राष्ट्रीय खेल में त्रिशूल शूटिंग रेंज पर शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता है। महाराष्ट्र के ही रुद्रांक्ष पाटिल ने रजत पदक अपने नाम किया, और सर्विसेज की ओर से खेल रहे किरन जाधव ने कांस्य पदक जीता। 17 वर्षीय पार्थ माने ने फाइनल के दौरान केवल एक सीरीज को छोड़कर शुरू से ही अपनी बढ़त बनाए रखी। अनुभवी निशानेबाजों की उपस्थिति के बावजूद, उन्होंने अपने आत्मविश्वास और धैर्य को बनाए रखा। 12वें और 14वें शॉट में 9.9 और 10.0 स्कोर करने के बावजूद, उन्होंने अगले 10 शॉट्स में से छह में 10.7 या उससे अधिक अंक अर्जित किए। जब 20 शॉट्स के बाद रुद्रांक्ष पाटिल ने 0.6 अंकों के अंतर से उन्हें चुनौती दी, तो पार्थ माने ने दबाव में शानदार संयम दिखाया। रुद्रांक्ष पाटिल ने अपने आखिरी चार शॉट्स में 42.2 अंक हासिल किए, लेकिन पार्थ माने ने 42.4 अंकों के साथ प्रतिक्रिया दी, जिसमें 10.8 और 10.7 के प्रभावशाली शॉट्स शामिल थे।

हरियाणा पुरुष और ओडिशा महिला टीम ने रग्बी सेवेंस में राष्ट्रीय खेल का गोल्ड हैट्रिक किया पूरा

महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के गंगा एथलेटिक्स स्टेडियम में हरियाणा पुरुष और ओडिशा महिला रग्बी सेवेंस टीमों ने राष्ट्रीय खेल में लगातार तीसरी बार स्वर्ण पदक जीतकर ऐतिहासिक हैट्रिक पूरी की। हरियाणा ने पुरुषों के फाइनल में महाराष्ट्र को 22-7 से हराया, जबकि ओडिशा की महिला टीम ने बिहार को 29-5 से पराजित किया। चैंपियन का आत्मविश्वास लिए मैदान में उतरी हरियाणा पुरुष टीम ने शुरूआत से ही दबदबा बनाए रखा। महाराष्ट्र ने मुकाबले में संघर्ष दिखाते हुए स्कोर 7-7 से बराबर किया, लेकिन इसके बाद हरियाणा ने अपने खेल का स्तर बढ़ाते हुए लगातार तीसरी बार राष्ट्रीय खेल के फाइनल में महाराष्ट्र को हराया।

ओडिशा की महिला टीम ने अपने फाइनल मुकाबले में सबसे प्रभावी प्रदर्शन किया और 2022 में अहमदाबाद में महाराष्ट्र के खिलाफ 22-0 से मिली जीत से भी बड़ा स्कोर बनाया। बिहार, जिसने गोवा में हुए पिछले संस्करण में ओडिशा को 12-7 तक सीमित रखा था, इस बार मुकाबले में देर तक प्रभाव नहीं छोड़ सका।

उत्तराखंड ने पुरुषों की बीच हैंडबॉल स्पर्धा में रजत पदक जीता

38वें राष्ट्रीय खेल के पुरुषों की बीच हैंडबॉल स्पर्धा के रोमांचक फाइनल में उत्तराखंड ने कड़े मुकाबले के बाद रजत पदक जीता। उत्तराखंड की टीम सर्विसेज से 2-1 के अंतर से हार गई। शिवपुरी, टिहरी स्थित सैंड बीच पर खेले गए इस मुकाबले में उत्तराखंड ने शानदार शुरूआत करते हुए पहला सेट 18-21 से जीत लिया। हालांकि, सर्विसेज की टीम ने दूसरे सेट में जबरदस्त वापसी करते हुए 17-11 से जीत दर्ज की, जिससे मैच रोमांचक शूटआउट तक पहुंच गया। अंतिम शूटआउट में दोनों टीमों ने पूरा दमखम लगाया, लेकिन सर्विसेज ने 5-4 से बढ़त बनाकर 2-1 के अंतर से स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। उत्तराखंड के लिए सुमित ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और कुल 14 गोल दागे। उनकी शानदार खेल शैली ने पूरे मैच में टीम को मजबूत बनाए रखा और उत्तराखंड की दृढ़ संकल्पना व कौशल को प्रदर्शित किया। इस रजत पदक के साथ उत्तराखंड की 38वें राष्ट्रीय खेल में कुल पदक संख्या नौ हो गई है- एक स्वर्ण (वुशु), दो रजत (एक वुशु और एक बीच हैंडबॉल) तथा छह कांस्य (वुशु)। विभिन्न खेलों में उत्तराखंड के उत्कृष्ट प्रदर्शन ने राष्ट्रीय खेल मंच पर राज्य की बढ़ती उपस्थिति को मजबूत किया है।

भारोत्तोलन में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन

राष्ट्रीय खेल 2024 के दूसरे दिन भारोत्तोलन स्पर्धा में पांच श्रेणियों में शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। एथलीटों ने रिकॉर्ड तोड़े और कुछ ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, जबकि उभरती हुई प्रतिभाओं ने राष्ट्रीय मंच पर अपनी छाप छोड़ी। मणिपुर की एस. बिंदियारानी देवी ने 55 किग्रा श्रेणी में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने स्नैच श्रेणी में 88 किग्रा और क्लीन एंड जर्क में 113 किग्रा भार उठाकर अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया, जिससे कुल 201 किग्रा वजन उठाने के साथ उन्होंने नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। बिंदियारानी अब महिलाओं की 55 किग्रा श्रेणी के तीनों राष्ट्रीय रिकॉर्ड (स्नैच, क्लीन एंड जर्क और कुल) अपने नाम कर चुकी हैं। रजत पदक बंगाल की शरबानी दास ने 187 किग्रा और कांस्य पदक मणिपुर की एल. नीलम देवी ने 182 किग्रा वजन उठाकर जीता। आंध्र प्रदेश के के. नीलम राजू ने 67 किग्रा श्रेणी में 289 किग्रा वजन उठाकर स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने पहले स्नैच में 124 किग्रा वजन उठाने में असफलता पाई, लेकिन फिर 128 किग्रा तक सफलता प्राप्त की। उनका क्लीन एंड जर्क प्रदर्शन शानदार रहा।

वुशू में यूपी की साक्षी ने जीता कांस्य

उत्तराखंड में आयोजित 38वें राष्ट्रीय खेलों में वुशू में उत्तर प्रदेश के लिए साक्षी जौहरी ने शुक्रवार को कांस्य पदक जीता। वहीं सूरज यादव, अभिषेक तंवर, प्रेरणा व श्रुति ने फाइनल में जगह बनाते हुए उत्तर प्रदेश के लिए पदक पक्के किए। देहरादून में हुई वुशू की स्पर्धा में ताउलू वर्ग के अंतर्गत मेरठ की साक्षी जौहरी ने ताइची में कांस्य पदक अपने नाम किया। इसी के साथ उत्तर प्रदेश ने इन खेलों में अब तक 1 रजत व दो कांस्य सहित तीन पदक जीत लिए है। वुशू की स्पर्धा में सांडा में पुरुष 70 किग्रा भार वर्ग में सूरज यादव ने जम्मू कश्मीर को हराकर एवं 90 किग्रा भार में अभिषेक तंवर ने हरियाणा को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सांडा में महिला वर्ग में 60 किग्रा भार वर्ग में में प्रेरणा ने राजस्थान को एवं 70 किग्रा भार वर्ग में श्रुति सरवैया ने हिमाचल प्रदेश को हराकर फाइनल में स्थान सुरक्षित किया। उत्तर प्रदेश वुशू एसोसिएशन के सचिव मनीष कक्कड़ ने बताया कि फाइनल में जगह बनाने वाले खिलाड़ी शनिवार को फाइनल में चुनौती पेश करेंगे।

सार संक्षेप

तमिलनाडु ड्रैगन्स को पेनल्टी शूटआउट में हराकर बंगाल टाइगर्स फाइनल में

राउरकेला : श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने शुक्रवार को पेनल्टी शूटआउट में तमिलनाडु ड्रैगन्स को 2 (6) - (5) 2 से हराकर हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 के फाइनल में जगह बना ली हैं। यहां राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स ने दो गोल से पिछड़ने के बाद वापसी की और तमिलनाडु को पेनल्टी शूटआउट के लिए मजबूर होना पड़ा। श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए प्रदीप सिह संधू ने (30वें) मिनट और सैम लेन ने (53वें) मिनट में गोल किए। वहीं तमिलनाडु ड्रैगन्स के लिए नाथन एफ़्रॉम्स ने (18वें) मिनट और सेल्वम कार्ति ने (32वें) मिनट में गोल दागे। मैच बराबरी पर रहने के पेनल्टी शूटआउट शुरु हुआ। टाइगर्स और ड्रैगन्स दोनों ने अपने पहले चार प्रयासों में से दो-दो प्रयास गंवाए। डॉकियर के प्रयास चूकने के बाद, एफ़्राम्स को अपनी टीम को फाइनल में पहुंचाने का मौका मिला, लेकिन उनका शॉट पोस्ट से दूर चला गया। शूटआउट में मोरिट्ज, गोवर्स और एफ़्राम्स ने ड्रैगन्स के लिए गोल किए, जबकि सुखजीत सिंह, सीन फाइंडले, फ्लोरेंट वैन ऑबेल और अभिषेक ने टाइगर्स के लिए गोल किए। उत्तम सिंह अपने प्रयास में चूक गए और टाइगर्स ने फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली।

सीआईएसएफ पर दिल्ली एफसी ने दर्ज की रोमांचक जीत

नई दिल्ली : डीएसए प्रीमियर लीग के एक रोमांचक मुकाबले में शुक्रवार को दिल्ली एफसी ने केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल (सीआईएसएफ) प्रोन्टैक्टर्स को 2-1 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। यहां नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गये मुकाबले में विजेता के लिए जी गयारी और सजल बाग ने गोल जमाए। पराजित टीम का गोल शहजाद खान ने किया। मैच में पेशेवर दिल्ली फुटबॉल क्लब ने लगातार आक्रमक रणनीति अपना कर औद्योगिक बल को झकझोर दिया और दर्शनीय गोलों से बढ़त बनाई। हालांकि पराजित टीम के शहजाद का गोल भी शानदार था लेकिन दूसरी बार बढ़त बनाने के बाद दिल्ली एफसी की रक्षापंक्ति ने प्रतिद्वन्दवी फरवर्ड्स पर पैनी नजर रखी और 14 मैचों में 29 अंक जुटाने में सफल रहे। पराजित टीम 16 मैचों में 33 अंकों के साथ तालिका के शीर्ष पर कायम है। दिल्ली एफसी की जीत का आकर्षण उसके तेज तर्रार खिलाड़ियों की योजनाबद्ध रणनीति रही। गोलकीपर लालमउन सांगा ने भी कई सुन्दर बचाव किए। मैच का विजयी गोल दागने वाले सजल बाग को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टी-20 मैच के दौरान शॉट लगाते भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे।

रोमांचक मैच में जीता भारत

पुणे, वार्ता : भारत ने इंग्लैंड को चौथे टी-20 में 15 रन से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने 5 मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त भी ले ली। पुणे के एमसीए स्टेडियम में इंग्लैंड ने गेंदबाजी चुनी। भारत ने 9 विकेट खोकर 181 रन बनाए। इंग्लिश टीम 166 रन बनाकर ऑलआउट हो गई।

भारत के लिए शिवम दुबे के कन्कशन सब्स्टीट्यूट हर्षित राणा ने 3 विकेट लिए। रवि बिश्नोई को भी 3 विकेट मिले। वरुण चक्रवर्ती ने 2 विकेट लिए। अर्शदीप सिंह और अक्षर पटेल को 1-1 विकेट मिला। बैटिंग में हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे ने 53-53 रन की पारी खेली। आखिरी टी-20 मैच 2 फरवरी को मुंबई में खेला जाएगा। यहां इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने

इंग्लैंड को 15 रन से हराकर भारत ने पांच मैचों की सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बनाई

उतरी भारत की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 12 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। संजूसैमन (01), तिलक वर्मा और कप्तान सूर्यकुमार यादव बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गये। ऐसे संकट के समय में रिंकू सिंह और अभिषेक शर्मा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। आठवें ओवर में आदिल रशीद ने अभिषेक शर्मा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अभिषेक शर्मा ने 19 गेंदों में चार चौके और एक छक्का लगाते हुए (29) रनों की पारी खेली।

सचिन तेंदुलकर को मिलेगा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

● मुंबई, वार्ता

सचिन तेंदुलकर इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 100 शतकों के सहारे 34357 रन हैं। बीसीसीआई सचिन तेंदुलकर को लाइफ टाइम अवॉर्ड देने जा रहा है। तेंदुलकर को यह अवॉर्ड आज बीसीसीआई के हेड ऑफिस में वार्षिक समारोह में दिया जाएगा। बोर्ड के एक अधिकारी ने इस बात की पुष्टी की है। उसने कहा कि हां, उन्हें (सचिन तेंदुलकर) सीके नाइडू लाइफ टाइम अचीवमेंट अवॉर्ड दिया जाएगा।

51 साल के तेंदुलकर यह अवॉर्ड हासिल करने वाले 31वें क्रिकेटर होंगे। उनके अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को 2023-24 के बेस्ट इंटरनेशनल क्रिकेटर के लिए बीसीसीआई पॉली उमरीगर अवॉर्ड देगा। जबकि स्मृति मंधाना ने महिला वर्ग में यह पुरस्कार जीता है। तेंदुलकर ने भारत के लिए 664 इंटरनेशनल

बुमराह और मंधाना 2024 के बेस्ट क्रिकेटर, आज बीसीसीआई हेड ऑफिस में होगा समारोह

मैच खेले हैं। उनके नाम टेस्ट और वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हैं। तेंदुलकर ने 200 टेस्ट मैचों में 15,921 रन बनाए हैं, जबकि 463 वनडे में उनके नाम 18,426 रन हैं। सचिन ने एक टी-20 इंटरनेशनल मैच भी खेला है। इससे पहले 2023 में भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच रवि शास्त्री को यह अवॉर्ड दिया गया था। अपने युग के महानतम बल्लेबाज कहे जाने वाले तेंदुलकर को हर परिस्थिति में असानी से रन बनाने के लिए जाना जाता था। उन्होंने 1989 में पाकिस्तान के खिलाफ 16 साल की उम्र में टेस्ट पदार्पण किया और अगले 20 साल में उन्होंने दुनिया भर के गेंदबाजों के खिलाफ रन बनाए। उनके नाम टेस्ट और वनडे को मिलाकर 100 शतक लगाने का रिकॉर्ड भी है। तेंदुलकर भारत की 2011 वर्ल्ड कप विजेता टीम के एक प्रमुख सदस्य थे।

भारतीय महिला टीम फाइनल में

इंग्लैंड को नौ विकेट से हराकर महिला अंडर-19 टीम टी-20 विश्वकप के फाइनल में किया प्रवेश

क्वालालंपुर, वार्ता : पारुनिका सिसोदिया, वैष्णवी शर्मा के (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जी कमालिनी (नाबाद 56) और जी. तृषा (35) की बेहतरीन बल्लेबाजी की बदौलत भारत ने महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के दूसरे सेमीफाइनल में इंग्लैंड को नौ विकेट से करारी हार देकर फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में भारतीय टीम खिताब के लिए दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी।

114 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की जी. कमालिनी और जी. तृषा की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 60 रनों की साझेदारी की। नौवें ओवर में हालांकि फोबे ब्रेट ने तृषा को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा।

तृष्णा ने 29 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए (35) रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आई सनिका चलके ने जी. कमालिनी के साथ विजयी साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरा करते हुए 15 ओवर में एक विकेट पर 117 रन बनाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। जी. कमालिनी ने 50 गेंदों में आठ चौके लगाते हुए (नाबाद 56) रन बनाए। वहीं सनिका चलके (11) रन पर नाबाद रही। इससे पहले यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। जेमिमा स्पेंस और डेविना पेरिन की सलामी जोड़ी ने संभलकर खेलते हुए पहले विकेट के लिए 37 रन जोड़े।

रणजी में नहीं चला विराट कोहली का बल्ला

मात्र छह रन बनाकर हुए आउट, कप्तान आयुष और सुमित माथुर ने दिल्ली को दिलाई 93 रन की बढ़त

● नई दिल्ली, वार्ता

दिल्ली की ओर से रणजी में खेल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला नहीं चला और वह छह रन पर आउट होकर पवेलियन लौट गये।

शुक्रवार को यहां अरूण जेटली स्टेडियम में दिल्ली और रेलवे के बीच खेले जा रहे रणजी मुकाबले में राहुल शर्मा ने यश धुल (32) को पगबाधा आउट कर रेलवे को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद दर्शकों से भरा स्टेडियम कोहली-कोहली की आवाज से गूंज उठा। दर्शकों ने तालीबजा कर कोहली का स्वागत किया। बल्लेबाजी करने आये विराट कोहली ने 15 गेंदों का सामना किया और एक चौका लगाया। वह पहली पारी में मात्र छह रन बनाकर आउट हुए। उन्हें के तेज गेंदबाज हिमांशु सांगवान ने बोल्ड आउट किया। स्टेडियम में विराट को लेकर अलम यह था

कि उनके आउट होने के साथ ही वहां सन्नाटा छा गया और दर्शक वापस लौटने लगे। बड़ी उम्मीद के साथ स्टेडियम में मैच देखने आए दर्शकों को निराशा हुई। इस दौरान मेट्रो स्टेशन पर भीड़ उमड आई। लंबी-लंबी कतार देखी गई। उल्लेखनीय है कि विराट कोहली पिछले कुछ समय से खराब फॉर्म से जूझ रहे है। विराट फॉर्म हासिल करने के लिए 12 साल बाद रणजी ट्रॉफी में खेले मैदान में उतरे है। कप्तान आयुष बडोनी (99) और सुमित माथुर (नाबाद 78) शानदार पारियों की मदद से दिल्ली ने शुक्रवार को रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप डी मुकाबले के दूसरे दिन स्टंप के समय रेलवे के खिलाफ सात विकेट पर 334 रन बनाकर 93 रन की बढ़त बना ली हैं। दिल्ली ने गुरुवार के एक विकेट पर 41 रन से आगे खेलने शुरु किया। दिल्ली का दूसरा विकेट यश धुल (32) रन के रूप में गिरा। उन्हें राहुल शर्मा ने पगबाधा आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए स्टार बल्लेबाज विराट कोहली महज छह रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्हें हिमांशु सांगवान ने बोल्ड आउट किया। सनत सांगवान भी (30) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान आयुष बडोनी और सुमित माथुर ने पारी को संभाला। शतक की ओर बढ़ रहे बडोनी को कर्ण शर्मा ने आउट कर दिल्ली को बड़ा झटका दिया। बडोनी ने 77 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के लगाते हुए (99) रनों की पारी खेली। प्रणव राजवंशी (39) और शिवम शर्मा (14) रन बनाकर आउट हुये। दिन का खेल समाप्त होने के समय दिल्ली ने सात विकेट पर 334 रन बना लिए है। इसी के साथ दिल्ली को 93 रनों की बढ़त मिल गई है। दूसरे दिन स्टंप के समय सुमित माथुर (नाबाद 78) और सिद्धांत शर्मा (नाबाद 17) क्रीज पर मौजूद थे। रेलवे की ओर से हिमांशु सांगवान और कुनाल यादव ने दो-दो विकेट लिए। राहुल शर्मा, आयन चौधरी और कर्ण शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

चोटिल मिशेल मार्श चैंपियंस ट्रॉफी से हुए बाहर

● सिडनी, वार्ता

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर मिशेल मार्श पीठ की दर्द की समस्या के कारण 16 फरवरी से शुरू होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए है।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया(सीए) ने एक बयान में कहा कि पीठ के निचले हिस्से में दर्द और शिथिलता के कारण मिशेल मार्श आगामी आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय चयन पैनल और ऑस्ट्रेलियाई पुरुष चिकित्सा दल ने चोट के कारण मार्श को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया है। हाल के हफ्तों में उनकी पीठ के निचले हिस्से में दर्द बढ़ने के कारण एनएसपी ने मार्श का उपचार की लंबी अवधि करने का निर्णय लिया। इस दौरान वह अब खेल में वापसी की योजना के तहत और अधिक आराम और दर्द के उपचार की अवधि से गुजरेंगे। बयान में कहा गया कि एनएसपी समय-समय पर

मार्श की जगह अन्य खिलाड़ी को टीम में लेने के निर्णय पर बैठक करेगी। उल्लेखनीय है कि आईसीसी पुरुष चैंपियन ट्रॉफी के लिए अंतिम टीमों की समय सीमा 12 फरवरी है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)